इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

वर्ष- 43 अंक -244 राजनांदगांव, रविवार 21 जुलाई 2024 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा में 115 मौतें

सेना ने मोर्चा संभाला, देखते ही गोली मारने का ऑर्डर; 978 भारतीय स्टूडेंट्स को वापस लाया गया

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण बहाली के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हिंसा जारी है। इस पर काबू पाने के लिए सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ओबैदुल कादर ने शुक्रवार (19 जुलाई) देर रात कर्फ्यू लगाने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि हिंसा काबू करने के लिए सेना को तैनात किया गया है। इसके साथ ही प्रदर्शनकारियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दे दिया गया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा में अब तक115 लोग मारे गए हैं। हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना ने विदेश दौरा रद्द कर दिया है। वे 21 जुलाई को स्पेन और ब्राजील के दौरे पर जाने वाली थीं। बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच अब तक 978 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौट आए हैं। ढाका यूनिवर्सिटी को अगले आदेश तक के लिए बंद दिया है। छात्रों को बुधवार तक हॉस्टल खाली करने को कहा गया है।

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर प्रदर्शन की वजह

बांग्लादेश 1971 में आजाद हुआ था। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इसी साल से वहां पर 80 फीसदी कोटा सिस्टम लागू हुआ। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को नौकरी में 30त्न, पिछड़े जिलों के लिए 40त्न, महिलाओं के लिए 10त्न आरक्षण दिया गया। सामान्य छात्रों के लिए सिर्फ 20त्न सीटें रखी गईं। 1976 में पिछड़े जिलों के लिए आरक्षण को 20त्न कर दिया गया। इससे सामान्य छात्रों को 40त्न सीटें हो गईं। 1985 में पिछड़े जिलों का आरक्षण और घटा कर 10त्न कर दिया गया और अल्पसंख्यकों के लिए 5 प्रतिशत कोटा जोड़ा गया। इससे सामान्य छात्रों के लिए 45 प्रतिशत सीटें हो गईं। शुरू में स्वतंत्रता सेनानियों के बेटे-बेटियों को ही आरक्षण मिलता था लेकिन 2009 से इसमें पोते-पोतियों को भी जोड़ दिया गया। 2012 विकलांग छात्रों के लिए भी 1त्न कोटा जोड़ दिया गया। इससे कुल कोटा 56 प्रतिशत हो गया।

6 साल पहले सरकार ने कोटा सिस्टम बंद किया था

साल 2018 में 4 महीने तक छात्रों के प्रदर्शन के बाद हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन बीते महीने 5 जून को हाईकोर्ट ने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

यूपी के अमरोहा में डिरेल हुई मालगाड़ी, 12 डिब्बे पलटे; कल्याणपुरा रेलवे फाटक के पास हादसा

अमरोहा। मुरादाबाद से दिल्ली की तरफ जा रही मालगाड़ी अमरोहा रेलवे स्टेशन के नजदीक पलट गई। 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे से दिल्ली-लखनऊ रेल लाइन बाधित हो गई है। यह हादसा अमरोहा रेलवे स्टेशन के पास कल्याणपुरा रेलवे फाटक के पास हुआ है। गोंडा के बाद शनिवार (20 जुलाई) को अमरोहा में भी बड़ा ट्रेन हादसा हो गया। मुरादाबाद से दिल्ली की तरफ जा रही मालगाड़ी अमरोहा रेलवे स्टेशन के नजदीक पलट गई। 12 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे से दिल्ली-लखनऊ रेल लाइन बाधित हो गई है। यह हादसा अमरोहा रेलवे स्टेशन के पास कल्याणपुरा रेलवे फाटक के पास हुआ है।

दो डिब्बों में भरा था केमिकल

मालगाड़ी के 10 डिब्बे पलटे हैं। जिसमें दो डिब्बों में केमिकल भरा हुआ है, जबकि आठ डिब्बे खाली बताई जा रहे हैं। तेज धमाके के साथ हादसा हुआ तो स्थानीय लोगों के होश उड़ गए। अधिकारियों को आने का सिलसिला शुरू हो गया है। मालगाड़ी पलटने का हादसा कैसे हुआ, ये अभी स्पष्ट नहीं है।

रेलवे ट्रैक पूरी तरह से बाधित

इस मामले में अमरोहा रेलवे स्टेशन अधीक्षक सरदार सिंह ने बताया कि मालगाड़ी के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। जिसकी वजह से रेलवे ट्रैक पूरी तरह से बाधित हो गया। उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया गया। कई ट्रेनों को रास्ते में ही रुकवाया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

दो दिन पहले ही गोंडा में हुआ था ट्रेन हादसा

बता दें कि 2 दिन गुरुवार को गोंडा में ट्रेन हादसा हो गया था। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के 21 डिब्बे पटरी से उतरे थे। इनमें 5 एसी कोच, एक जनरल डिब्बा और पेंट्री भी शामिल थे। गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि अब तक 4 यात्रियों की मौत हो चुकी है और 32 घायल हैं। घायलों में से करीब छह की हालत गंभीर है।

'कश्मीर मॉडल से कुचलेंगे जम्मू में आतंक का फन', एलजी मनोज सिन्हा बोले- आतंकी संगठनों का नेतृत्व हो चुका खत्म

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को जम्मू क्षेत्र में फिर से सिर उठा रहे आतंकवाद को सख्ती से कुचलने का यकीन दिलाते हुए कहा कि किसी को घबराने की आवश्यकता नहीं है। सुरक्षाबलों ने जिस रणनीति से कश्मीर में आतंकवाद को नष्ट किया है, उसी मॉडल को जम्मू में आतंकियों और उनके पारिस्थितिकी तंत्र के समूल नाश के लिए सुरक्षाबल लागू कर रहे हैं।

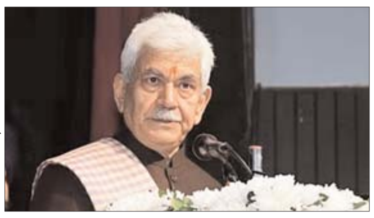

उल्लेखनीय है कि दो-तीन माह में जम्मू संभाग में आतंकी गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। एक पखवाड़े में कठुआ व डोडा में कई आतंकी हमले हुए हैं और नौ सैन्यकर्मी भी बलिदान हुए हैं। शनिवार को श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार योजना 'हौसला 2.0' और स्टार्टअप पोर्टल का शुभारंभ करने के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू कश्मीर की जनता ने कभी भी आतंकियों और उनके आकाओं का समर्थन नहीं किया।

जनता ने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ उठाई आवाज

जनता ने हमेशा ही आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाई है, उन्होंने हमेशा देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने में हरसंभव प्रयास करते हुए असंख्य बलिदान दिए हैं। जम्मू कश्मीर पांच वर्ष से परिवर्तन के एक नए दौर से गुजर रहा है। यहां शांति और सुरक्षा एवं विकास का वातावरण बहाल हुआ है।

आतंकियों के नेटवर्क को नष्ट

उन्होंने हाल के आतंकी हमलों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा पड़ोसी यहां शांति और विकास के वातावरण से पूरी तरह हताश है। यही वजह है कि फिर से आतंकवाद को जिंदा करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन हम उसे ऐसा नहीं करने देंगे। हमारे सुरक्षाबल किसी भी चुनौती से निपटने में समर्थ हैं।

इसलिए किसी को घबराने की आवश्यकता नहीं है। कश्मीर में जिस रणनीति से वहां पर आतंकियों के नेटवर्क को नष्ट किया गया है, उसी तरह जम्मू में आतंकवाद के फन को कुचला जा रहा है। आतंकी संगठनों को अब अपने लिए कमांडर नहीं मिल रहे हैं। उनका नेतृत्व खत्म हो चुका है।

हंगामेदार होगा बजट सत्र! सरकार और विपक्ष ने कसी कमर, सदन में सुनाई देगी मुद्दों की गूंज

नई दिल्ली। सत्तापक्ष और विपक्ष ने सोमवार से शुरू हो रहे 18वीं लोकसभा के पहले बजट सत्र के लिए अपनी-अपनी सियासी तैयारियों को गति दे दी है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को जहां आम बजट लोकसभा में पेश कर सरकार के वित्तीय एजेंड़े को आगे बढ़ाएंगी। वहीं विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन ने भी सत्र के लिए आधा दर्जन से अधिक प्रमुख मुद्दों को उठाने की रूपरेखा तय कर ली है।

महंगाई, मणिपुर हिंसा, नीट पेपर लीक धांधली, जम्मू-कश्मीर के बिगड़ते हालात, बढ़ती रेल दुर्घटनाओं से लेकर संवैधानिक सस्थाओं व संविधान पर हमले जैसे मुद्दे विपक्षी दलों की फेहरिस्त में हैं जिन्हें बजट सत्र के दौरान उठाते हुए इन पर संसद में चर्चा कराने के लिए जोर लगाने की तैयारी है।

रिजिजू ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

संसद के बजट सत्र के पहले दिन लोकसभा में वित्तमंत्री की ओर से आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा और सत्र के सुचारू संचालन के लिए सरकार के संसदीय रणनीतिकार अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजु ने इस क्रम में रविवार को संसद में सभी दलों के नेताओं की सर्वदलीय बैठक बुलाई है। दोनों सदनों के शीर्ष पीठासीन पदाधिकारियों की ओर से भी पक्ष और विपक्ष के नेताओं के संग बैठकें होने की संभावनाएं हैं।

अहम विधेयक पेश करेगी सरकार

आर्थिक सर्वेक्षण और सबसे महत्वपूर्ण आम बजट पेश करने के अलावा इस सत्र के दौरान राजग सरकार कुछ अहम विधेयकों को भी पेश करेगी। इसमें भारतीय वायुयान विधेयक 2024 से लेकर बैंकिंग क्षेत्र में सुधार के लिए संशोधन विधेयक भी शामिल हैं। वित्तमंत्री केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का बजट भी संसद में रखेंगी। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

यूपीएससी चेयरमैन ने दिया इस्तीफा, कार्यकाल 5 साल बचा था

दिल्ली। यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है. फर्जी प्रमाणपत्र और ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर विवाद के बीच यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी ने इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना कार्यकाल खत्म होने से पांच साल पहले ही अपना इस्तीफा दे दिया है. हालाँकि उनका इस्तीफा स्वीकार किया नहीं किया गया है.

जानकारी के मुताबित, यूपीएससी चेयरपर्सन मनोज सोनी ने एक महीने पहले राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया था. मनोज सोनी अपने निजी कारणों से इस्तीफा दिया है. हालाँकि उनका इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है. बता दें, मनोज सोनी के कार्यकाल खत्म होने में पांच साल बचे है. वे साल 2017 में संघ लोक सेवा आयोग में सदस्य के तौर पर शामिल हुए थे. 16 मई 2023 को उन्होंने यूपीएससी के अध्यक्ष पद की शपथ ली थी. मनोज सोनी का कार्यकाल 2029 में खत्म होना है.

मनोज सोनी के इस्तीफे को ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर विवाद और यूपीएससी उम्मीदवारों द्वारा नौकरी पाने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने के मामले से जोड़ा जा रहा था. सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया है. उस विवाद से कोई सम्बन्ध नहीं है. वे अनुपम मिशन में अधिक समय देना चाहते हैं. उन्होंने निष्काम कर्मयोगी यानी निःस्वार्थ कार्यकर्ता के रूप में दीक्षा ली है.

कौन है मनोज सोनी

मनोज सोनी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहद करीबी माने जाते है. 2005 में जब वे 40 वर्ष के थे, तब नरेंद्र मोदी ने उन्हें वडोदरा के प्रसिद्ध एमएस विश्वविद्यालय का कुलपति बनाया था. गुजरात के दो विश्वविद्यालयों में तीन बार कुलपति रह चुके हैं. इसके अलावा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओप यूनिवर्सिटी के भी कुलपति रह चुके है.

मनोज सोनी का पूरा जीवन बहुत ही संघर्ष भरा रहा. यूपीएससी चेयरमैन बनने के बाद उनकी नियुक्ति पर भी विवाद किया गया है. मनोज सोनी बेहद गरीब परिवार से हैं. डॉ. मनोज सोनी का जन्म 17 फरवरी 1965 को मुंबई में हुआ था. सोनी की पत्नी कॉलेज में प्रफेसर हैं. (शेष पृष्ठ 6 पर...)

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज में दिखा तकनीकी निर्भरता के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं: चंद्रचूड़

मदुरै। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि माइक्रोसॉफ्ट आउटेज में दिखा कि तकनीकी निर्भरता के क्या-क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ की स्थापना के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह का उद्घाटन करते हुए कहा, हर कोई जानता है कि मैं प्रौद्योगिकी के लाभों का प्रबल समर्थक हूं। कल ही हमने तकनीकी निर्भरता के प्रतिकूल प्रभाव देखे। माइक्रोसॉफ्ट आउटेज के कारण पूरे देश में उड़ानें रद्द कर दी गईं। दिल्ली से कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। लेकिन मुझे लगता है कि यह मदुरै के लोगों का प्यार है जो मेरी पिछली यात्रा के दौरान मुझ पर बरसाया, जिसने आज आप सभी के बीच मेरी उपस्थिति सुनिश्चित की है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मदुरै को 'थुंगा नगरम' या ऐसा शहर कहा जाता है, जो कभी नहीं सोता, क्योंकि इसके बाजार हमेशा लोगों के लिए खुले रहते हैं। यह इस महान शहर की आमंत्रित और मेहमाननवाज़ संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा,÷यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मद्रास उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ के लिए मदुरै को चुना गया। इस अर्थ में, मदुरै एक शाश्वत प्रतीक है कि न्याय कभी नहीं सोता है।÷

सीजेआई ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 214 में कहा गया है कि प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा, लेकिन यह सोचना बहुत बड़ी गलती होगी कि मद्रास उच्च न्यायालय विशेष रूप से मदुरै बेंच से आने वाले निर्णयों का प्रभाव तमिलनाडु राज्य तक ही सीमित है। देश भर के वकील, न्यायाधीश और नागरिक मदुरै बेंच से आने वाले निर्णयों को बहुत प्रशंसा के साथ देखते हैं। यह उल्लेखनीय है कि बार के साथ-साथ उच्च न्यायालय की पीठ के न्यायाधीश केवल 20 वर्षों की छोटी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर लगाया मतदाताओं को ब्लैकमेल करने का आरोप, कहा- चुनाव में खूब फैलाई

अहमदाबाद। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता रामदास अठावले ने लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी पर मतदाताओं को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने पूरे चुनाव में अफवाह व झूठ का सहारा लिया। उन्होंने मतदाताओं को संविधान बदलने का डर दिखाया। उन्होंने कहा कि भाजपा 400 सीटें लाकर आरक्षण खत्म कर देगी। यही कारण है कि भाजपा को कुछ राज्यों नुकसान झेलना पड़ा।

अफवाहों के बाद भी प्रधानमंत्री बने मोदी

रामदास अठावले गुजरात में अपने मंत्रालय की योजनाओं की समीक्षा करने आए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गाधी ने पूरे चुनाव में झूठ और अफवाह का सहारा लिया, लेकिन फिर भी हार का मुंह देखना पड़ा। नरेंद्र मोदी तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री बन गए हैं। एनडीए ने स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाई है।

राहुल गांधी के हाथ लगी सिर्फ निराशा

अठावले ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा स्पष्ट बहुमत से सरकार में थी। हमारे गठबंधन को 353 सीटें मिली थी। हमने पांच साल के काम के हिसाब से 400 सीटें मांगी थी। विपक्ष ने एक होकर अफवाह फैलाना शुरू कर दिया। उसके बाद भी राहुल गांधी के हाथ में निराशा ही लगी।

राहुल गांधी को दी नेता विपक्ष बनने की बधाई

अठावले ने कहा कि मैं राहुल गांधी को विपक्ष के नेता के तौर पर बधाई देता हूं। वह इस पद को बड़ी ही जिम्मेदारी के साथ निभाएं। मैं बस इसकी उम्मीद कर सकता हूं। अपने मंत्रालय के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि मेरा मंत्रालय समाज के गरीब व कमजोर तबके के लिए काम करता है।

बांग्लादेश में फँसे भारतीय छात्रों के सकुशल वतन वापसी में मदद कर रहे हैं है सीमा सुरक्षा बल के जवान

नई दिल्ली। भारत बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय चैक पोस्ट के ज़रिये वतन वापसी कर रहे भारतीय छात्रों की मदद में सीमा सुरक्षा बल के जवान जुट गए हैं। शनिवार शाम छह बजे तक भारत और नेपाल के क़रीब 100 से ज़्यादा छात्र भारत लौटे। बांग्लादेश में दंगों के चलते वहाँ पर से छात्रों की सकुशल वापसी के दौरान BSF के जवान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

36 मेडिकल स्टूडेंट्स के लिए यह एक मसीहा बने बीएसएफ़ के जवान

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने अलग अलग कैंप लगाए हैं। जहाँ पर वापस लौट रहे छात्रों के लिए भोजन आदि की व्यवस्था की गई है। साथ ही वापस लौट रहे छात्रों को उनकी मंज़िल तक पहुँचाने के लिए ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था भी सीमा सुरक्षा बल भी मुहैया करा रहा है। वैध दस्तावेज़ के निरीक्षण के बाद इन छात्रों को सकुशल कैंपों में ले जाया जा रहा है। ब्लस्न के अफ़सरों के मुताबिक़ अभी बड़ी संख्या में और छात्र अंतरराष्टीय अंतरराष्ट्रीय सीमा के ज़रिए भारत में सकुशल ले आए जाएंगे। सीमा सुरक्षा बल के पुलिस महानिरीक्षक पीयूष पुरुषोत्तमदास के मुताबिक़ बांग्लादेश में बढ़ रहे बवाल और दंगों के चलते अंतराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट रखा गया है। सीमा सुरक्षा बल के अलग अलग बटालियन और टुकड़ियाँ किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार बतायी जा रही है।

बांग्लादेश के मेडिकल कॉलेज में फँसे 36 भारतीय मेडिकल स्टूडेंट्स को बचाया

बांग्लादेश के ब्रह्मामनबेरिया मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे 36 भारतीय छात्रों के लिए सीमा सुरक्षाबल मसीहा साबित हुई है। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक पीयूष पुरुषोत्तमदास के मुताबिक़ 20 जुलाई को सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ी ने इन सभी छात्रों का रेस्क्यू किया। पुलिस महानिरीक्षक निरीक्षक के मुताबिक़ बीती रात मेडिकल कॉलेज में फँसे एक छात्र के पिता का घबराहट की अवस्था में फ़ोन आया। उन्होंने बताया ही मेडिकल कॉलेज में भारतीय छात्र फँसे हुए हैं। वहाँ कोई इंटरनेट की व्यवस्था नहीं है। ना ही खाने पीने की कोई सामग्री उन्हें मिल पा रही है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

आज गुरू पूर्णिमा... तस्मै श्री गुरवै नमः की होगी गूंज

जगह-जगह गुरू पूजन के होंगे आयोजन भक्ति भाव की बिखरेगी छटा

राजनांदगांव (दावा)। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को आज गुरू पूर्णिमा का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर गुरू भक्तों द्वारों श्रद्धा-भक्ति के साथ तैयारी की गई है। आज 21 जुलाई रविवार को अलावा अंचल भर में गुरू भक्ति की बयार बहेगी। गुरू की पूजा-वंदना से माहौल भाव-भक्ति मय बना रहेगा।

शहर में गुरू पूर्णिमा पर्व की गायत्री शक्ति पीठ सहित बर्फानी आश्रम गणेश मंदिर मिथिला धाम, योग वेदांत सेवा समिति, आशाराम बापू आश्रम, अजयनाथ आश्रम सत्यानंद योग आश्रम सहित तमाम, मंदिरों व धर्मस्थलों के अलावा गुरू स्थानों में गुरू पूजन की धूम रहेगी।

बता दे कि गुरू पूर्णिमा का पर्व 4 वेद 18 पुराण व 108 उप निषद सहित पंचम वेद महाभारत के रचयिता भगवान श्री कृष्ण द्वैपायन व्यास की जन्म जयंती तिथि पर मनाया जाता है। सृष्टि के महान लेखक भगवान वेद व्यास सहित अब तक जितने भी गुरू हुए है, गुरू पूर्णिमा के दिन उन सब गुरूओं ऋषि मनीषियों की पूजा वंदना की जाती है। कहा जाता है कि गुरू ही एक ऐसा शख्त है जो गोविन्द यानि ईश्वर के बारे बता सकता है। गुरू एक कुम्हार की तरह है जो मिट्टी के कच्चे धड़े को अंदर की ओर हाथ से संभालते हुए वाहर से चोट मारता है जिससे घड़ा मजबूत हो जाता है। गुरू अपने शिष्य को ऐसे ही चोट मारकर शिष्य से गुरू बनाने की क्षमता रखता है। आज गुरू पूर्णिमा पर गुरू भक्तों की यही वानगी देखने को मिलेगी।

आज महाराष्ट्रीयन तेली समाज द्वारा गुरुपूर्णिमा

राजनांदगांव (दावा)। स्टेशन पारा स्थित समाजिक भवन परिसर पर सुबह 10:30 बजे समाज के गुरु संत संता जगनाडे महाराज की पूजा अर्चना व गुरुवंदना कर मनाई जाएगी गुरुपूर्णिमा। उक्त जानकारी युवा मंडल अध्यक्ष प्रकाश (पिन्टू) समरीत ने दी।

आज श्री सांईनाथ पीर पैगम्बर दरबार 'सांई मंदिर' तुलसीपुर में गुरू पूर्णिमा महोत्सव

राजनांदगांव (दावा)। 21 जुलाई 2024 दिन रविवार प्रातः 8.00 बजे श्री रघुनाथ प्रसाद जी ''महाराज जी'' के सनिध्य में वैद्धिक मन्त्रोच्चारण के साथ माँ दुर्गा एवं श्री सांई बाब जी का महाभिषेक किया जावेगा। दोपहर 12:00 बजे महाआरती होगा। तत्पश्चात दोपहर 3 बजे से महिला मण्डल द्वारा भजन कीर्तन, संध्या 6:30 बजे संदल का कार्यक्रम के पश्चात 7:30 बजे आरती एवं रात्रि 8:30 बजे से 11 बजे तक प्रसाद वितरण होगा। रात्रि 9 बजे से विभिन्न भजन मण्ड्लियों द्वारा भजन कीर्तन का कार्यक्रम होगा। सांई दरबार समिति द्वारा सभी भक्तजनों से निवेदन उपरोक्त कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रमों का लाभ लेवें। उपरोक्त जानकारी समिति के सचिव तोरन सिंह चौहान 'अधिवक्ता' द्वारा दी गई।

आज मां पाताल भैरवी मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव

राजनांदगांव (दावा)। मां पाताल भैरवी बर्फानी आश्रम में आज 21 जुलाई दिन रविवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव का कार्यक्रम रखा है गया जितेन्द्र सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया है यहां हनुमंत यज्ञ, श्रीमद् भागवत कथा का निरंतर सात दिन तक चल रहा है कि सुबह 10 बजे भव्य भजन संगीत के साथ प्रारंभ 11:00 बजे गुरु पद पूजन दोपहर 12:00 बजे प्रवचन अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक श्रद्धेय परम पूज्य गुरुदेव मुकुंद महाराज राका डोंगरगढ़ वाले द्वारा तत्पश्चात शाम को प्रसादी (भंडारा) यहां आयोजनकर्ता संत शिरोमणि दास एवं राम भक्त समिति ने आप सभी अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील किया है।

रायपुर सीआईडी आईजी और एसपी ने हाईकोर्ट में मांगी माफी : रिटायर्ड हेड कांस्टेबल ने सेवानिवृत्ति भुगतान रोकने पर दायर की थी याचिका

बिलासपुर। सेवानिवृत्ति के बाद प्रधान आरक्षक से अधिक भुगतान का हवाला देते हुए वसूली करने के विभागीय आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगाने के साथ समस्त सेवानिवृत्ति देयक का भुगतान 60 दिन में करने का आदेश दिया, लेकिन आदेश की लगातार अवहेलना पर प्रार्थी के फिर हाईकोर्ट की शरण में जाने पर पुलिस महानिरीक्षक (सीआईडी) और पुलिस अधीक्षक (सीआईडी) ने क्षमायाचना दाखिल की, जिसके पश्चात हाईकोर्ट ने अवहेलना याचिका निराकृत किया।

पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) रायपुर में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ रायपुर निवासी कृष्णा प्रसाद ठाकुर के सेवानिवृत्ति के पश्चात् पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक (सीआईडी) ने सेवाकाल के दौरान अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर उनके विरूद्ध 3,28,657 रुपए का वसूली आदेश जारी करते हुए समस्त सेवानिवृत्ति देयक रोक के लिए मामले में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की वसूली राशि को रोककर अन्य समस्त सेवानिवृत्ति देयक का भुगतान 60 दिनों के भीतर करने का आदेश दिया था, समयावधि के भीतर सेवानिवृत्ति देयक का भुगतान ना किए जाने से क्षुब्ध होकर कृष्णा प्रसाद ठाकुर ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं दुर्गा मेहर के माध्यम से हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की. उक्त अवमानना याचिका की अंतिम सुनवाई के दौरान पुलिस महानिरीक्षक एवं एसपी (सीआईडी), रायपुर द्वारा भविष्य में इस प्रकार की गलती का दोहराव नहीं किए जाने एवं क्षमायाचना के पश्चात् उक्त अवमानना याचिका को निराकृत किया गया।

उत्तर प्रदेशीय वैश्य संघ ने सत्यनारायण की पूजा कर मनाई गुरु पूर्णिमा

राजनांदगांव (दावा)। शहर में बड़ी संख्या में निवास करने वाले व्यवसायी वर्ग के उत्तर प्रदेशीय वैश्य संघ के द्वारा शनिवार को बाबा राम देव मंदिर में भगवान श्री सत्यनारायण की पूजा कर गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। बता दें कि शनिवार 20 जुलाई दोपहर से व्रतादि पूर्णिमा का आगाज हो चुका था।

समाज के वरिष्ठ जनों ने इसे देखते हुए श्री सत्यनारायण कथा का आयोजन किया गया। उदयाचल रोड स्थित बाबा रामदेव मंदिर में एकत्रित समाज के लोगों ने गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर भगवान श्री सत्यनारायण की कथा सुनी और आयोजित यज्ञ-हवन में वैदिक मन्त्रोंच्चार के बीच सर्वहित के लिए आहुति प्रदान की। इस दौरान उपस्थित समाज के अध्यक्ष राजेश गुप्ता (मधुर स्पेयर) डॉ राधेश्याम गुप्ता ,बजरंग दल के प्रांत प्रमुख अरुण गुप्ता भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी राजेश गुप्ता अग्रहरि, कवि शैलेश गुप्ता, मनोज अग्रहरि, हरि प्रसाद गुप्ता, कैलाश अग्रहरि, प्रकाश हूंका, नवनाथ गुप्ता, शरद गुप्ता दाऊ, सोहन गुप्ता किसन गोपाल गुप्ता आदि सहित समाज की बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं द्वारा अपने कुल गुरु का स्मरण कर मंगल गान किया गया। श्री सत्यनारायण पूजा मे यजमान के रूप में समाज के वरिष्ठ रुपनारायण गुप्ता व श्रीमती आशा गुप्ता तथा नवीन अग्रहरि भावना अग्रहरि, उपस्थित रहे। समाज के इस धर्ममय आयोजन में प्रमुख रूप से नगर निगम की पूर्व एल्डरमेन श्रीमती सुधा गुप्ता, समाजसेवी सुषमा गुप्ता, जनक बाई गुप्ता सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। अंत में गुरु वंदना कर लोगों में महा प्रसादी का वितरण किया गया।

पहला कॉलम...

सोमवार की भस्म आरती होगी सुबह 02.30 बजे

महाकाल की सवारी यात्रा दोपहर 2 बजे प्रारंभ होंगी

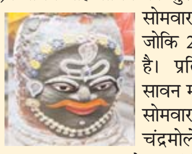

राजनांदगांव (दावा)। पवित्र माह सावन की शुरुआत इस वर्ष सोमवार से हो रही है जोकि 22 जुलाई को है। प्रति वर्षानुसार सावन माह के प्रत्येक सोमवार को भगवान चंद्रमोलेश्वर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा महाकाल भक्त सेना एवं सिंघोला मंदिर समिति द्वारा नगर भ्रमण हेतु निकली जायेगी। मंदिर समिति के पवन डागा ने बताया की बाबा महाकाल की भस्म आरती रविवार रात सोमवार सुबह 02.30 बजे से प्रारंभ होगी। जिसमे सभी शिव भक्त शामिल हो सकते है। पवित्र माह सावन के प्रथम सोमवार 22 जुलाई को पहली पालकी यात्रा नंदई हाटबाजार से दोपहर 02 बजे प्रारंभ होगी जोकि नगर भ्रमण करते हुए हमाल पारा लक्ष्मी मंदिर में विश्राम होगी।

डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल के कृष्ण प्रताप एशियन आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

राजनांदगांव (दावा)। उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षण संस्थान डां. जेबी सिंह मेमोरियल के प्रतिभावान छात्र कृष्ण प्रताप राजपूत आगामी 24 से 26 को बैंगलेरू में आयोजित प्रतिष्ठित एशियन आर्म (पंजा कुश्ती) चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। कृष्ण प्रताप राजपूत ने गत दिनों असम के धुलिया जान में आयोजित चौथी राष्ट्रीय आर्म रैसलिंग में 60 किलोग्राम भार वर्ग में विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया था।

इस अवसर पर शाला के अक्ष्यक्षा डां सविता जेबी सिंह उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, बोर्ड मेम्बर आई.के. वैष्णव, एकेडमिक डॉयरेक्टरएवं प्राचार्य अभिषेक खंडेलवाल एवं सीबीएससीई प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल, सीजी बोर्ड प्राचार्य गोपाल साहू एवं शहर के प्रतिष्ठितजन नरेश डाकलिया, अनिल गुप्ता, अशोक लोहिया, योगेश बागड़ी सुभाष अग्रवाल एवं अजय पांडे ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर शुभकामनाएँ दी है।

कल रोजगार कार्यालय में प्लेसमेंट कैम्प

राजनांदगांव (दावा)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र राजनांदगांव में कल 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक रोजगार ने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प में नवा किसान बॉयो प्लांटेक लिमिटेड तेलीबांधा रायपुर द्वारा सेल्स रिप्रेसेन्टेटिव, एग्रीकल्चर ऑफिसर केवल पुरूष एवं अलर्ट प्लेसमेंट सर्विस लालपुर रायपुर द्वारा वर्किंग पार्टनर, मार्केटिंग, एजेंट, सिक्योरिटी गार्ड, सर्वेयर, कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा लक्ष्य बीमा सेवा केन्द्र खैरागढ़ द्वारा कम्प्यूटर ऑपरेटर, यूनिट मैनेजर, ग्रामीण वृत्तिक अभिकर्ता, अभिकर्ता के विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। प्लेसमेंट कैम्प में शामिल होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी शैक्षणिक योग्यता के सम्पूर्ण प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, 2 पासपोर्ट साईज फोटो, रोजगार पंजीयन कार्ड सहित मूल प्रमाण पत्र के साथ निर्धारित तिथि, समय एवं स्थल पर उपस्थित हो सकते है।

पुलिस ने 2 दिन में अवैध शराब ब्रिकी मामले में 17 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

आरोपियों से 42.3 लीटर अवैध अंग्रेजी एवं देशी प्लेन शराब तथा बिक्री की रकम 1390 रुपए जप्त

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध छेड़े गए अभियान के तहत अवैध शराब बेचने वाले आरोपियों पर उनकी पैनी नजर बनी हुई है। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) मुकेश ठाकुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदशन मे अवैध रूप से शराब बिक्री पर अंकुश लगाने हेतु कड़ी कार्यवाही करने के संबंध में जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देश दिया गया था जिसके तहत दिनांक 18 एवं 19 जुलाई को दो दिनों में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 34(1) के 01 प्रकरण, थाना बसंतपुर पुलिस द्वारा 34(1) के 02 प्रकरण, थाना डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा 34(1) के 02 प्रकरण, थाना लालबाग पुलिस द्वारा 34(2) के 01 प्रकरण एवं 34(1) के 01 प्रकरण, थाना सोमनी पुलिस द्वारा 34 (1) के 01 प्रकरण, ओपी सुकूलदैहान पुलिस द्वारा 34(1) के 01 प्रकरण, ओपी सुरगी पुलिस द्वारा 34(1) के 01 प्रकरण, तथा थाना छुरिया पुलिस द्वारा 36(च) का 04 प्रकरण, ओपी चिखली पुलिस द्वारा 36(च) का 02 प्रकरण इस प्रकार दो दिनों में आबकारी एक्ट के कुल 16 प्रकरणों में 17 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। बताया जा रहा है कि यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

नन्ही बिटिया सिरजनहार कौर के 6वें जन्मदिन के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। एरोन जेन्सन मेमोरियल हाईस्कूल तुमड़ीबोड़ में नन्ही बिटिया सिरजनहार कौर के 6वें जन्मदिन के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर सिरजनहार के पिता ज्ञानी नरिंदर सिंह और माता परमिंदर कौर ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्कूल की प्राचार्य पल्लवी राव, कक्षा शिक्षिका देविका गजभिये और सुनिता देवांगन भी उपस्थित थीं। वृक्षारोपण के दौरान प्रिंसिपल पल्लवी राव ने बच्चों को पर्यावरण के महत्व के बारे में बताया और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। कक्षा शिक्षिका देविका गजभिये ने सिरजनहार कौर को जन्मदिन की बधाई दी और इस नेक कार्य के लिए उसकी सराहना की।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें हरित भविष्य की ओर प्रेरित करना था। सिरजनहार के माता-पिता ने भी इस पहल की प्रशंसा की और सभी से इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेने की अपील की। वृक्षारोपण कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने हाथों से पौधे लगाए।

आज बलभद्र राधाकृष्ण मंदिर में नृत्य समागम

राजनांदगांव(दावा)। प्रदेश एवं जिले का प्रथम संगीत महाविद्यालय चक्रधर कत्थक कल्याण केन्द्र द्वारा मंदिर श्रृंखलाओं के तीसरे नृत्य समागम में अर्पण समारोह गुरूपूर्णिमा शुक्ल पक्ष विक्रम संवत 2081 रविवार दिनांक 21 जुलाई को संध्या 4.00 बजे से 5.00 बजे तक स्थान बलभद्र राधा कृष्ण मंदिर जमातपारा फौव्वारा चौक, राजनांदगांव में किया जा रहा है।

प्राचीन भारत में हमारे कला साधक कला गुरू अपनी कला साधना की प्रथम पुष्प अपने गुरूओं के मार्गदर्शन में प्रथम कला रूपी पुष्प देव मंदिरों में देवी-देवताओं को साक्षी मानकर अपनी कला का अर्पण देवालयों में करने का अनुसरण करते हुए हमारे नव अंकुरित कला साधना इस बार युगल किशोर राधारानी के श्री चरणों में अपना नृत्य अर्पण करने जा रही है। संस्कारधानी राजनांदगांव की सुधी कला साधक, कला प्रेमियों से विनम्र निवेदन है कि गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर पधार कर नगर की उभरती कलाकारों को अपनी शुभकामनायें आशीर्वाद दे।

ज्ञात हो कि पद्म विभूषण पं. बिरजू महराज एवं रायगढ़ दरबार के दरबारी नृत्याचार्य प्रो. कल्याण दास महन्त के शिष्य डॉ. कृष्ण कुमार सिन्हा अपने गुरूओं से प्राप्त ज्ञान एवं नृत्य शिक्षा को मध्य भारत के राजनांदगांव जिले में चक्रधर कत्थक कल्याण केन्द्र के माध्यम से विगत चालीस वर्षो से निरंतर सेवायें दे रहे है और इस संस्था से नृत्य संगीत से प्रशिक्षित शिष्य-शिष्यायें देश, विदेश में अपनी कला का प्रदर्शन एवं शिक्षण कार्य कर अपनी सेवायें दे रहे हें। उक्त जानकारी संस्था के तुषार सिन्हा ने दी।

एनबीआईएस बोरी में धूमधाम से मना 'गुरु पूर्णिमा'

राजनांदगांव (दावा)। नीरज बाजपेयी इंटरनेशनल स्कूल, बोरी में गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की गयी।

विशेष सभा के इस आयोजन में शाला के बच्चों द्वारा गुरु की महिमा का बखान करते हुए सुंदर समूह नृत्य तथा समूह गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी गयी। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की शिक्षिका रुचि श्रीवास्तव द्वारा स्वरचित कविता पाठ किया गया। उपरोक्त समारोह को सफल बनाने में संगीत एवं नृत्य विभाग के शिक्षकों की विशेष भूमिका रही। शाला के बच्चों द्वारा गुरुओं के चरण वंदन किये गये। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शाला के डायरेक्टर नीरज बाजपेयी द्वारा बच्चों को गुरु की महिमा के महत्व को समझाया गया। अपने उद्बोधन में श्री बाजपेयी ने गुरु शिष्य परंपरा का मार्गदर्शन किया। वर्तमान समय में आधुनिकीकरण के दौर में जहां हर सवाल का जवाब हम इंटरनेट के माध्यम से जानना चाहते है वही पर एक गुरु का रुप उभरकर सामने आता है। बिन गुरु ज्ञान अधूरा होता है।

इस अवसर पर शाला की डायरेक्टर श्रीमती सोनल बाजपेयी, अकेडमिक डायरेक्टर श्रीमती उर्मिला दीक्षित, प्राचार्या श्रीमती एकता गांधी, एडमिन नितिन चौहान, शिक्षक तथा बच्चें उपस्थित रहें। समारोह में नीरज बाजपेयी द्वारा शाला के बच्चों तथा शिक्षकों को गुरु पूर्णिमा की बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

आज से दूसरी वेस्ट जोन जूनियर हॉकी स्पर्धा

सांसद के मुख्य आतिथ्य महापौर की अध्यक्षता एवं ओलयम्पियंन मोहम्मद रियाज़ के विशेष आतिथ्य में होगा शुभारंभ

राजनांदगांव (दावा)। हॉकी नर्सरी राजनांदगांव में हॉकी इंडिया द्वारा संचालित व छत्तीसगढ हॉकी एवं राजनांदगांव हॉकी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया वेस्ट जोन जूनियर बालक बालिका हॉकी प्रतियोगिता आज 21 जुलाई से अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली जायेगी।

प्रतियोगिता का शुभारंभ दोपहर 4 बजे राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य, नगर निगम राजनांदगांव की महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख की अध्यक्षता एवं ओलम्पियन मोहम्मद रियाज (चैन्नई) व समाजसेवी अंजुम अल्वी के विशिष्ठ आतिथ्य में आयोजित है।

आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार हॉकी इंडिया द्वारा संस्कारधानी को इस बहुप्रतिष्ठित हॉकी प्रतियोगिता को आयोजित करने की जिम्मेदारी लगातार दूसरे वर्ष भी मिली है। आयोजन समिति के सदस्यगण आयोजन को खेलधानी की गरिमा अनुरूप आयोजित करने के पूरे प्रयास किए जा रहे है।

स्पर्धा में सात राज्यों के बालक-बालिका अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगें। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का चयन भी उक्त स्पर्धा के लिए किया जायेगा। इसके लिए मुख्यचयनकर्ता मोहम्मद रियाज ओलम्पियन के साथ ही अन्य चयनकर्ता व तकनिकी टीम के सदस्य निर्णायक शहर पहुंच चुके है, स्पर्धा का समापन 28 जुलाई को होगा।

प्रतियोगिता में आज 21 जुलाई को बालिका जूनियर वर्ग में पहला मैच प्रातः 7 बजे से हॉकी महाराष्ट्र विरूद्ध गोवा हॉकी दूसरा मैच प्रातः 9 बजे से हॉकी राजस्थान विरूद्ध दादर एण्ड नागर हवेली एण्ड दमन डियू हॉकी के मध्य खेला जाऐगा। वहीं बालक जूनियर वर्ग में पहला मैच प्रातः 11 बजे से हॉकी मध्यप्रदेश विरूद्ध हॉकी गोवा दूसरा मैच दोपहर 2 बजे से हॉकी राजस्थान विरूद्ध हॉकी गुजरात तीसरा मैच दोपहर 4 बजे से हॉकी महाराष्ट्र विरूद्ध छत्तीसगढ हॉकी के बीच खेला जायेगा। उक्त स्पर्धा के लिए सभी टीमे राजनांदगांव पहुंच चुकी है। हॉकी इंडिया के तकनिकी अधिकारियों द्वारा बैठक कर हॉकी की बाराकियों के बारे में जानकारी दी।

शुभांक

अनुमानित

बी. के.

459-8 679-2

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरुपयोग न करें। दुरुपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

आज जंगलपुर में गुरू पूर्णिमा महोत्सव

राजनांदगांव (दावा)। समीपस्थ ग्राम जंगलपुर में आज 21 जुलाई 2024 रविवार को गुरू पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन रखा गया है। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रवचन एवं हवन पूजन, गुरू पूजन, प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया है कार्यक्रम में प्रवचनकर्ता पंडित राजू शर्मा कोलियारा वाले आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी ग्रामवासी शिष्य परिवार द्वारा दी।

नगरवासियों के सपनों के अनुरूप राजनांदगांव शहर का होगा विकास - विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में शहर के विकास के लिए 13 करोड़ 81 लाख रूपए के लागत के 96 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव, सांसद संतोष पाण्डेय, महापौर श्रीमती हेमा देशमुख विशेष रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव की जागरूकता पूरे छत्तीसगढ़ में प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पूरे छत्तीसगढ़ में 7 माह के भीतर विकास का एक अद्भूत वातावरण निर्मित हुआ है। उन्होंने कहा कि विकास के कार्यों की शुरूआत हो गई हैं। मुख्यमंत्री ने जो वादे किए थे, उन सभी वादों को 7 माह से कम समय में पूरा किया गया है। सरकार ने 21 क्विंटल धान खरीदी, दो साल का बोनस, 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना, 45 सौ से बढ़ाकर 55 सौ रूपए तेन्दूपत्ता खरीदी सहित कई घोषणाओं को पूरा करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव ने उनका परिचय विधायक के नाते कराया है और पहचान बनाने वाला राजनांदगांव है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में छोटे-बड़े कई विकास मूलक कार्य करने में सफल रहे। मेडिकल कॉलेज की स्थापना, सड़कों का निर्माण कार्य, फ्लाई ओवर, दिग्विजय स्टेडियम, शिवनाथ व्यपवर्तन में नहर का कार्य, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, केन्द्रीय विद्यालय, पेण्ड्री में आवासहीन परिवारों के लिए आवास, सूखा मुआवजा राशि और पेयजल के लिए कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव की जनता ने शहर के विकास का सपना देखा था, उस सपने के अनुरूप इस शहर को बनाने का काम किया जा रहा हैं। सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने पूरे देश के भीतर विकास की नई दिशा तय की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य के साथ-साथ राजनांदगांव शहर के भीतर भी वैसा ही विकास दिखेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नगर निगम राजनांदगांव द्वारा जो भी प्रस्ताव लेकर पार्षदगण राज्य शासन के पास जाएंगे, उसे स्वीकृत कर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन की शुरूआत पार्षद से हुई है और मैं आज भी अपने आप को पार्षद समझता हूं। पार्षद विकास की मूल कल्पना को साकार करते हैं, उसे अपने वार्डों में क्रियान्वित करने की सबसे ज्यादा जवाबदारी होती है।

राजनांदगांव शहर के विकास के लिए 13 करोड़ 81 लाख रूपए के 96 विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव ने राजनांदगांव शहर के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन के अवसर पर सभी नगरवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव प्रदेश की संस्कारधानी है और इसका विकास नाम के अनुरूप होना चाहिए, जिसका अनुसरण प्रदेश में हो और शहर के विकास को देखकर अन्य शहर भी प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि केवल भवन बनाने से शहर का विकास संभव नहीं है। शहर के विकास के लिए भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध एवं सुव्यवस्थित तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है। श्री साव ने कहा कि संस्कारधानी के समग्र विकास के लिए योजना बनाकर कार्य करें, जिसके लिए शासन द्वारा हर संभव सहायता की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव स्वच्छ, सुंदर, सर्व सुविधापूर्ण, सुव्यवस्थित शहर बनाने तथा भू-जल के गिरते स्तर और पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए वाटर हावेस्टींग सिस्टम को अपनाने की आवश्यकता है। स्वच्छता एवं सुंदरता के मामले में राजनांदगांव शहर प्रदेश के अग्रणी शहरों में शामिल हो, इसके लिए नगरवासी संकल्प लेकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक एवं कचरे के उचित प्रबंधन के लिए किए जा रहे प्रसासों में सभी के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शहरों के विकास के लिए 1500 करोड़ रूपए की राशि जारी की जा चुकी है। राजनांदगांव शहर के विकास के लिए आगामी जो भी योजनाओं के प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा उसे स्वीकृत किया जाएगा।

कार्यक्रम को सांसद संतोष पाण्डे एवं महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती गीता साहू, पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, खूबचंद पारख, सचिन बघेल, भरत वर्मा, संतोष अग्रवाल, रमेश पटेल, नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, हरिनारायण धकेता, कोमल सिंह राजपूत, राजेन्द्र गोलछा, नगर पालिक निगम राजनांदगांव के पार्षदगण, कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गुप्ता, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में मिलेगी प्रीपेड बिजली, स्मार्ट मीटर लगने का काम शुरू

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ में बिजली प्रीपेड लगने का काम शुरू हो गया है. नए मीटर लगने के बाद अब आम उपभोक्ताओं में इसे लेकर कई सवाल है. जैसे कि बिजली का स्मार्ट मीटर रिचार्ज कैसे करना होगा, कहीं कोई गड़बड़ी हुई तो क्या कनेक्शन कट जाएगा, ऐसे बहुत से सवालों का जवाब अभी उपभोक्ताओं को नहीं मिल पाया है, इन सवालों को लेकर बिजली कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर भीम सिंह कंवर ने जानकारी दी है, मैनेजिंग डायरेक्टर भीम सिंह कंवर ने कहा कि ग्राहकों के लिए यह जानना जरूरी है कि प्रीपेड मीटर के मामले में यदि उपभोक्ता अपने प्रीपेड खाते को रिचार्ज करने में असफल रहता है और उसका शेष बैलेंस शून्य हो जाता है. तो छुट्टी के दिन को छोड़कर अगले दिन सुबह 10 से दोपहर 2 बजे के बीच बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा।

जानिए कैसा है नया मीटर और कैसे होगा उपयोग

बिजली कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर भीम सिंह कंवर ने बताया कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी अधिसूचना में साफ किया गया है कि प्रीपेड मीटर रिचार्ज ना करने की स्थिति में बिजली कनेक्शन कब और कैसे काटा जाएगा, अगर प्रीपेड मीटर रिचार्ज नहीं किया गया और उसका शेष शून्य है, तो मैं गैर कार्यालय समय शाम 5:30 बजे से अगले दिन सुबह 10 बजे तक या छुट्टियों के दिन कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। उपभोक्ताओं को असुविधा से बचने के लिए कनेक्शन काटने की प्रक्रिया तत्काल अगले कार्य दिवस पर सुबह 10 से दोपहर 2 के बीच होगी, खास बात यह है कि शून्य बैलेंस होने के कारण बिजली कनेक्शन काटने को अस्थाई या टेंपरेरी डिस्कनेक्शन माना जाएगा।

आज जिला भाजपा कार्यसमिति की बड़ी बैठक

राजनांदगांव (दावा)। जिला भाजपा के विस्तृत कार्यसमिति की बैठक आज 2024 को गौरव पथ स्थित गोविन्दराम निर्मलकर आडोटोरियम हॉल में आयोजित की गई है। यह बैठक दो भागों में होगी, पहले चरण में आने वाले कार्यकर्ताओं का पंजीयन सुबह 9 बजे प्रारंभ होगा इसके बाद वंदे मातरम का गान, दीप प्रज्जवलन, स्वागत व अभिनंदन जिला भाजपा अध्यक्ष का स्वागत भाषण, शोक प्रस्ताव, उद्घाटन भाषण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई व प्रस्तावना, राष्ट्रपति के अभिभाषण के मुख्य बिंदुओं का वाचन तथा प्रदेश कार्यसमिति बैठक में पारित राजनीतिक प्रस्ताव आदि होगा। इसके पश्चात भोजन होगा तथा भोजन पश्चात् दूसरा सत्र प्रारंभ होगा।

भाजपा मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल ने बताया कि समापन सत्र में स्थानीय निकायों के होने वाले चुनाव पर चर्चा होगी, लोकसभा चुनाव का विश्लेषण प्रस्तुत किया जायेगा तथा भाजपा जिला प्रभारी द्वारा प्रदेश के आगामी कार्यक्रमों व गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण होगा फिर समापन भाषण व राष्ट्रगान के पश्चात् बैठक समाप्त होगी।

कलेक्टर ने हरियर राजनांदगांव के लिए लगाए नीम एवं बेल के पौधे

राजनांदगांव (दावा)। शहर को प्रदूषण मुक्त करने तथा 'चलव बनाबो हरियर राजनांदगांव' की परिकल्पना को साकार करने कलेक्टर संजय अग्रवाल ने पुलिस अधीक्षक मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी वायपी सिंह एवं नगर निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता के साथ कलेक्टर निवास में नीम एवं बेल पौधे का रोपण किया। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि पौधरोपण के साथ उसका संरक्षण करना अत्यंत आवश्यक है, तभी पौधे पेड़ का रूप लेंगे। उन्होंने कहा कि 'चलव बनाबो हरियर राजनांदगांव' की परिकल्पना के साथ राजनांदगांव जिले में वृहद रूप से वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसी प्रकार 'एक पेड़ माँ के नाम' शासन की सोच को साकार करने नागरिकों में उत्साह है और जिले में अपनी माता एवं परिवार के नाम लोग पौधरोपण कर उसकी सुरक्षा के लिए शपथ ले रहे हैं।

नगर निगम आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि गत 3-4 वर्षों से नगर निगम राजनांदगांव द्वारा शहर में वृहद रूप से पौधरोपण किया गया है। इस वर्ष भी सभी वार्डों में स्थान चयन कर पौधरोपण किया जा रहा है। गत वर्ष निगम द्वारा किए गए पौधरोपण की अच्छी तरह से देख-भाल की जा रही हैं, जिससे अधिकांश पौधों ने वृक्ष का आकार ले लिया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर एवं संस्थान के सामने लगे पौधों और वृक्ष की देख-भाल व सुरक्षा करेंगें तो हमारा शहर हरा-भरा हो जायेगा।

सीईओ जिला पंचायत ने विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रगति की समीक्षा की

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के संबंध में अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने विभाग द्वारा संचालित महात्मा गाँधी-नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं जल शक्ति अभियान, बीज वितरण, फसल चक्र परिवर्तन सहित अन्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत राजनांदगांव से संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी एवं जनपद पंचायत के अधिकारी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने पुराने रेनवाटर हार्वेस्टिंग के जीर्णोद्धार की प्रगति की समीक्षा की। जिन गांवों में मोहल्ले से तालाब तक पानी निकासी का साधन उपलब्ध है, वहां वाटर ट्रीटमेंट प्लान की कार्य योजना बनाने हेतु दिये गए निर्देशों के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने वाटर ट्रीटमेंट प्लान के लिए जहां पर्याप्त जगह हो ऐसे स्थानों का चयन करने के निर्देश दिए। पौधरोपण कार्य की समीक्षा करते हुए, प्रत्येक जनपद में दो-दो नर्सरी निर्माण की प्लानिंग करने कहा। नर्सरी निर्माण हेतु चारागाह एवं जहां फेंसिंग की सुविधा हो ऐसे स्थानों का चयन कर प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने कहा। उन्होंने नवीन अमृत सरोवर में पौधरोपण कार्य की समीक्षा की और पौधरोपण हेतु जनपद पंचायत स्तर पर सहायक विकास विस्तार अधिकारी एवं बोरवेल रिचार्ज हेतु अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को नोडल अधिकारी नियुक्त करने निर्देश दिया। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग को आवारा पशुओं से मुक्त करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गयी। जिले में स्थित गौ सेवा समिति, गौ शाला सेवा समिति, गौ रक्षा समिति तथा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ढाबा संचालकों की संयुक्त बैठक आयोजित कर मवेशियों के व्यवस्थापन हेतु निर्देश दिया गया। खुले में मवेशियों को छोड़ने वाले पशु मालिकों से जुर्माना की कार्रवाई संबंधित ग्राम पंचायत के सचिवों से कराने कहा गया।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने जिले के सभी ग्रामों में प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता त्यौहार मनाने कहा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में स्वच्छता दीदीयों के आलावा गांव के गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों की सहभागिता होनी चाहिए। इस दौरान जेम रजिस्ट्रेशन के संबंध में चर्चा की गई। जनपद पंचायत स्तर पर 5-5 मास्टर ट्रेनर्स बनाये जाने हेतु नामों का चयन कर सूची जिला पंचायत में उपलब्ध कराने कहा गया। ऐसे चयनित ट्रेनर्स एवं ग्राम पंचायत के सचिव को 26 जुलाई को बीआरसी भवन में प्रशिक्षण दिलाने निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत 31 जुलाई को आयोजित बैंकर्स की बैठक में इन्टरप्राईजेस फायनेंस की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। विभिन्न मदों के अन्तर्गत आबंटन प्राप्त हो चुका है, सभी जनपद को मांग पत्र प्रेषित करने निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त बैठक में जल शक्ति अभियान, बीज वितरण, फसल चक्र परिवर्तन के कार्यों तथा समय-सीमा एवं जनदर्शन के प्रकरणों की समीक्षा कर शीघ्र निराकरण करने एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया। बैठक में जिला पंचायत, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संबंधित जिला अधिकारीगण एवं जनपद पंचायत के सभी अधिकारी उपस्थित थे।

नहर-नाली हुई क्षतिग्रस्त, आम जनों का आवागमन हुआ बाधित

डोंगरगढ़(दावा)। ग्राम पंचायत कन्हारगांव के सरपंच के घर के सामने से जाने वाले मार्ग और पीछे से जाने वाले मार्ग के पास से जाने वाली नहर-नाली की स्थिति लगातार हो रही बारिश के कारण क्षतिग्रस्त अवस्था में पहुंच गई है। जिसके कारण आम जनों को आवागमन में अत्यधिक परेशानियों का सामना करनापड़ रहा है। ग्रामीणों द्वारा जिसकी सूचना एसडीएम तहसीलदार और सिचाई विभाग के एसडीओ को दे दी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि सिंचाई विभाग के द्वारा दो माह पूर्व निर्माण कार्य के नाम से इस नहर नाली की खुदाई की गई थी। उसके बाद उसे खुला छोड़ दिया गया। जिसका खामियाजा अब गाँव वाले भुगत रहे है।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में चांसलर, वाइस चांसलर एवं रजिस्ट्रार की नियुक्ति

राजनांदगांव (दावा)। राज्य के शैक्षणिक परिदृश्य में तेज़ी से अपनी पहचान स्थापित कर रहे नवस्थापित श्री दावड़ा विश्वविद्यालय की चांसलर के पद पर श्रीमती प्रीति दावड़ा, वाइस चांसलर के पद पर डॉ. आर. वी. शुक्ला एवं रजिस्ट्रार के पद पर कुमार श्वेताभ की नियुक्ति की गई है।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इन नियुक्तियों की जानकारी देते हुए बताया कि, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रीमती प्रीति दावड़ा, डॉ. आर. वी. शुक्ला एवं कुमार श्वेताभ हमारे नए पदाधिकारी नियुक्त किये गए हैं। इन सभी का व्यापक अनुभव और उच्च शिक्षा की गुणवता के प्रति इनकी प्रतिबद्धता निश्चित रूप से श्री दावड़ा विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उल्लेखनीय है कि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किये गए विश्वविद्यालय के समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में कला, विज्ञान, कॉमर्स, मैनेजमेंट, लाइब्रेरी साइंस आदि संकायों में प्रवेश दिया जा रहा है 7 अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों के मार्गदर्शन में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों हेतु अत्याधुनिक तकनीक से लैस स्मार्ट क्लास रूम्स, लैब्स, पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाओं का निर्माण किया गया है।

मोतीपुर अंडरब्रिज में भरा पानी, गंज चौक समीप का काम्पलेक्स जलमग्न

बारिश ने दिखाया रौद्र रूप, शहर हुआ तर-बतर

राजनांदगांव (दावा)। शनिवार को दोपहर व शाम के समय बड़ी दिनों बाद बारिश ने ऐसा रौद्र रूप दिखाया कि पूरा शहर तरबतर हो गया। शहर के सरकारी दफ्तर हो या हास्पिटल या निचली बस्तिया हो या फिर पुराने बने हुए काम्पलेस सभी स्थानों में जल मग्न की स्थिति आ गई। हालांकि गरज-चमक के साथ जमकर बारिश तो हुई लेकिन बंद होते ही बिजली विभाग का रोना शुरू हो गया। बारिश के बीच ही दसियों बार लाइट गुल कर दिया गया जिससे लोगों को खासी परेशानिया उठाते रहने पड़ी।

शहर में ममता नगर रोड में मोतीपुर के पास बनी अंडर ब्रिज में घुटने तक भर गया जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। हर साल की यही स्थिति बनी रहने से अंडर ब्रिज के दिवारों में सीलन उत्तन्न हो गया है। इसकी वजह से कई जगह दरारे देखने को मिल रही है। इधर गंज चौक के पास स्थित काम्पलेक्स में पूरी तरह जलमग्न की स्थिति आ गई। काम्पलेक्स में स्थित दुकानों के सामान पानी में तैरने लगे वही कई जरूरी समान बारिश के पानी में भीग कर खराब हो गए। बताया जाता है कि यहा पर स्थित कबाड़ी वाले ने नाले को जाम कर के रखा है जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है।

विभिन्न स्तरों पर प्रताड़ित किए गए आदिवासी युवक की मौत का मामला गूंजेगा विधानसभा में

डोंगरगढ़(दावा)। पशु क्रूरता के मामले में पुलिस हिरासत में लिए गए आयुर्वेदिक ग्राम बेलगांव के आदिवासी युवक की इलाज के दौरान हुई मौत का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। कांग्रेस पीड़ित परिवार को न्याय प्रदान करने के लिए लगातार सक्रियता के साथ कार्य करते हुए दिखलाई पड़ रही है। पुलिस की भूमिका एवं फेक न्यूज़ के माध्यम से की गई पुलिस कार्रवाई को लेकर परिजनों, सामाजिक गणों एवं क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों व ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार आदिवासी युवक के मृत्यु का मामला विधानसभा में जोर-शोर से उठाने की तैयारी कांग्रेस द्वारा की गई है।

मृतक युवक टकेश्वर कंवर के परिजनों को न्याय दिलाने एवं दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई को लेकर विधायक पूरी सक्रियता के साथ, लगातार प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मार्गदर्शन ले रही है। मामले को संज्ञान में लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक इंद्र शाह मांडवी के नेतृत्व में जांच दल का गठन किया गया। जांच दल ने शनिवार को ग्राम बेलगांव पहुंचकर युवक के परिजनों, प्रमुख ग्रामीण जनों एवं ग्राम के जनप्रतिनिधियों के साथ मुलाकात कर वास्तविकता को जाना। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार आदिवासी युवक के मृत्यु का मामला विधानसभा में जोर-शोर से उठाने की तैयारी कांग्रेस द्वारा की गई है।

- कांग्रेस के जांच दल ने बेलगांव पहुंचकर मामले की पड़ताल की
- निर्दोष आदिवासी युवक की मौत के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों पर कार्रवाई हो - कांग्रेस

पुलिस प्रताड़ना से हुई आदिवासी युवक की मौत, परिवार को मिले न्याय, दोषियों को मिले सजा

प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त जांच दल की जांच के उपरांत कांग्रेस द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट में कहा गया है कि, ग्राम बेलगांव पहुंचते ही जांच दल के सदस्यों ने मृतक आदिवासी युवक के छायाचित्र पर तिलक लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात परिजनों, ग्राम प्रमुखों और ग्राम के जन प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा कर घटनाक्रम की बारीकी से पड़ताल की गई। जिसमें पाया गया कि झूठी खबर फैलाकर आदिवासी मृतक युवक को पशु क्रूरता मामले में आरोपी बनाया गया। पुलिस द्वारा भी मामले की जांच न कर 8 घंटे तक घायल युवक को थाने में बैठा कर रखा गया। सभी ओर से प्रताड़ित किए गए आदिवासी युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जिससे परिवार, समाज तथा ग्रामीण जन आहत है।

बड़ी संख्या में एकत्रित हुए सामाजिक गण व ग्रामीण जन

जांच के दौरान मोहला-मानपुर के विधायक इंद्रर शाह मंडावी, डोंगरगढ़ विधायक श्रीमती हर्षिता स्वामी बघेल, गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, बिंद्रा नवागढ़ विधायक जनक राम ध्रुव, आदिवासी कांग्रेस के के. आर शाह, जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष राम क्षत्रीय चंद्रवंशी, शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विजय राज चौहान एवं सुरेश सिन्हा, सरपंच छबील साहू, अजय मारकंडे, त्रिवेणी वर्मा, राजू राजपूत, नेतराम साहू, दिनेतू जांगड़े सहित बड़ी संख्या में परिजन, ग्रामीणजन एवं क्षेत्र के जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अनमोल दावा

> **प्रेरणा का सबसे बड़ा स्त्रोत आपके अपने विचार है, इसलिए बड़ा सोचे और खुद को जितने के लिए हमेशा प्रेरित करें।**

तकनीकी गड़बड़ी से अरबों रुपए का कारोबार प्रभावित, सुविधाजनक और सुरक्षित सेवा नहीं देने पर उठ रहे सवाल

हर नई तकनीक में प्रायोगिक स्तर पर कुछ न कुछ अड़चन आती है। मगर जब कोई भरोसेमंद कंपनी अपने किसी उत्पाद को बड़े पैमाने पर बाजार में उतारती है, तो पहले यह सुनिश्चित कर लेती है कि वह पूरी तरह कारगर है। तकनीकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ते जाने से व्यवसाय-वाणिज्य, निजी और दफ्तरी कामकाज में तेजी तो आई है, मगर इसमें एक खराबी किस कदर दुनिया की सारी रफ्तार रोक देती है, इसका ताजा उदाहरण माइक्रोसाफ्ट के नए साफ्टवेयर में आई गड़बड़ी है। माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में गड़बड़ी आने से दुनिया भर के दफ्तरों में कामकाज लगभग ठप्प हो गया, रफ्तार थम गई। विभिन्न देशों में चौदह सौ से ऊपर हवाई सेवाएं रद्द करनी पड़ीं और हजारों हवाई जहाज देरी से उड़ पाए। टेलीविजन प्रसारण, बैंक सेवाओं, शेयर बाजार के कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुए। हालांकि माइक्रोसाफ्ट के इंजीनियर इस गड़बड़ी को सुधारने में जुट गए, मगर इतने भर से दुनिया भर में अरबों रुपए का कारोबार प्रभावित हो गया। दरअसल, माइक्रोसाफ्ट ने एक नया साफ्टवेयर तैयार किया है, जिससे उपभोक्ताओं को तेज, सुविधाजनक और सुरक्षित सेवा देने का दावा किया गया था। यह साफ्टवेयर क्लाउड सेवा से जुड़ा हुआ है। उसमें क्राउड स्ट्राइक नामक साइबर सेंधमारी से सुरक्षा प्रदान करने वाले च्एंटीवायरसज् को अद्यतन किया गया, तभी से गड़बड़ी शुरू हो गई। कंप्यूटर अपने आप बंद और चालू होने लगे। इससे माइक्रोसाफ्ट कंपनी की साख पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं।

हालांकि कुछ महीने पहले एलन मस्क ने भी माइक्रोसाफ्ट के च्एजज् नामक नए साफ्टवेयर की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि यह साफ्टवेयर अव्यावहारिक है, जो कई कंप्यूटरों से एक साथ जुड़ जाता है और इस तरह इसकी सुरक्षा विश्वसनीय नहीं रह जाती। मगर तब माइक्रोसाफ्ट की तरफ से जवाब में कहा गया था कि यह साफ्टवेयर उपभोक्ता को कहीं भी बैठ कर आसानी से काम करने की सुविधा देता है। इसमें सेंधमारी का खतरा नहीं रहता। अब फिर से इस साफ्टवेयर की विश्वसनीयता संदिग्ध हो गई है। फिलहाल यह दावा करना मुश्किल है कि किसी साइबर अपराधी ने ऐसी गड़बड़ी पैदा की, पर ऐसी हरकत से इनकार नहीं किया जा सकता। जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती गई है, वैसे-वैसे इसके खतरे भी बढ़ते गए हैं। साइबर सेंधमार लोगों के बैंक खातों, दफ्तरों के दस्तावेजों, कंपनियों के लेखा-जोखा वगैरह में सेंधमारी करने लगे हैं। हर इलेक्ट्रानिक उपकरण निर्माता कंपनी साइबर सेंधमारी रोकने के लिए वायरसरोधी उपाय करती है। जो कंपनी इसमें पिछड़ जाती है, वह बाजार में भी पिछड़ जाती है। माइक्रोसाफ्ट ने भी इसी समस्या से बचाने के लिए नई तकनीक ईजाद करने का दावा किया था।

हर नई तकनीक में प्रायोगिक स्तर पर कुछ न कुछ अड़चन आती है। मगर जब कोई भरोसेमंद कंपनी अपने किसी उत्पाद को बड़े पैमाने पर बाजार में उतारती है, तो पहले यह सुनिश्चित कर लेती है कि वह पूरी तरह कारगर है। न जाने कैसे माइक्रोसाफ्ट से यह चूक हो गई कि इस साफ्टवेयर को लेकर आ रही शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए इसे बाजार में चलाए रखा। माइक्रोसाफ्ट एज नामक तकनीक उपयोगी और सुविधाजनक हो सकती है, मगर पूरी तरह भरोसेमंद बन जाने से पहले उसे बाजार में इतने बड़े पैमाने पर नहीं वितरित किया जाना चाहिए था। जिस एंटीवायरस की वजह से ताजा समस्या आई बताई जा रही है, उसके परीक्षण में भी कही न कहीं चूक हुई। इस साफ्टवेयर में गड़बड़ी के चलते सिर्फ कुछ देर में जिस तरह दुनिया भर में करोड़ों लोगों को परेशानियां और व्यावसायिक संगठनों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा, उसकी भरपाई होना मुश्किल है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर गुरु परंपरा की महत्ता -स्वामी आनंद चैतन्य

'गुरु परम्परा' अति प्राचीन है, यह भगवान नारायण से प्रारंभ होकर शिष्य-प्रशिष्य प्रणाली द्वारा आज तक संचालित हो रही है। यथा नारायण -वशिष्ठ-शक्ति-पाराशर-व्यास-शुकदेव-गौडपाद-गोविंद पाद- श्री शंकराचार्य एवं उसके बाद हम-आप सब तक यह परम विशुद्ध गुरु परम्परा चली आ रही है । हम-आप सभी आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन को गुरु पूजा के रूप में मनाते है।

गुरु पूजन में शिष्य द्वारा गुरुदेव को भगवान स्वरूप स्वीकार करते हुए गुरु चरणों का जल, दूध, धी, दही, शहद, शक्कर पंचामृत से अभिषेक पूजन करता है, वस्त्र अलंकारों से, पुष्प माला पहनाकर, श्रीफल, मिष्ठान्न भेंटकर, समर्पण स्वरूप अपनी श्रद्धा एवम् भक्ति के अनुरूप मुद्रा राशि अर्पित करता है। इसके पश्चात अभिषेक पूजन का चरणामृत (पादोदक) को ग्रहण करके अपने आपको धन्य मानता है।

पाद प्रक्षालन की गरिमामय महिमा का विवेचन श्री मत स्वामी विद्यारण्य ने वेदांत ग्रंथ पंचदशी में करते हुए लिखा है कि मै अपने गुरुदेव भगवान श्री शंकरानन्द का पूजन एवं पाद प्रक्षालन इसलिए करता हूं कि जिस प्रकार महाजल राशि सागर में मगर अनेक जीवो मछली, मेंढक आदि का भक्षण कर लेता है। ठीक उसी प्रकार इस भवसागर में गुरुदेव का चरण रूपी मगर, हम शिष्यों के द्वारा पाद संस्पर्श करते ही वह समस्त पाप-ताप-संताप को भक्षण कर लेते हैं। तदनंतर शिष्य पाप मुक्त होकर भगवत साक्षात्कार का अधिकारी बन जाता है।

गुरु चरण व प्रभु चरण सदा पापों का ही भक्षण करते हैं, श्री राम के चरण ने शाप से शापित अहिल्या के पापों का भक्षण कर उसे निष्पाप बना दिया, निष्पाप होते ही शीला से वह सजीव नारी बन गई। श्री राम वन गमन के समय भरत जी ने 14 वर्ष तक राम चरण

आज गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर विशेष

गुरु चरण व प्रभु चरण सदा पापों का ही भक्षण करते हैं, श्री राम के चरण ने शाप से शापित अहिल्या के पापों का भक्षण कर उसे निष्पाप बना दिया, निष्पाप होते ही शीला से वह सजीव नारी बन गई।

पादुका का ही आश्रय लिया और पादुका के आदेश से राज्य संचालित किया। श्री हनुमंत लाल जी सदा राम चरण में बैठते हैं वह स्वयं कह रहे हैं कि

श्री गुरु चरण सरोज रज,
निज मन मुकुर सुधार

श्री गुरुदेव चरण रज से अपने मन रूपी मुकुट शीश को शुद्ध कर सकते हैं। गुरु सदा अपने शिष्य का उत्कर्ष चाहता है। क्योंकि शिष्य गुरु की आत्मा ही होता है , गुरु गीता में लिखा है कि 'आत्मा गुरुरेव' अतः गुरुदेव सतत शिष्य के गुण दोषों का क्षमता पूर्वक निरीक्षण करे और हृदय में प्यार दया की भावना रखते हुए उन दोषों का निराकरण करने के लिए त्रास एवं दंड प्रक्रिया को अपनाते हुए उसकी रक्षा करें। जैसे कुम्हार घड़े के निर्माण में दया और प्रताड़ना दोनों का प्रयोग करता है । तभी घड़ा वृद्धि को प्राप्त कर पाता है।

यथा गुरु कुमार चेला घड़ा,
गड़ गड़ काडे खोट।
अंदर हाथ सहाय के, बाहर मारे चोट।।

जीवन की हर चर्या में गुरु होना चाहिए, जागने से सोने तक, जन्म से मृत्यु तक, बल्कि मरण का बाद भी गुरु का होना आवश्यक है। क्योंकि पुनः मरण ना हो। मरण में ही जीवन का अंत ना मान लिया जाए, मरने के आगे भी कुछ है वह है ना मरना। आवागमन के चक्कर से छूटना, परम गति, सद्गति को पाना यह बिना गुरु के संभव नहीं है।

उत्कृष्ट जिज्ञासु तृष्णा शून्य शिष्य को गुरु परम तत्व से जोड़ देते हैं, जिसके बाद पुनरावर्तन नहीं होता। इसी श्रंखला में सुखदेव जी ने परीक्षित को बोध कराया, बोध होने के उपरांत परीक्षित ने कहा 'मै बंधन मोक्ष से परे परम तत्व हूं'। जहां मृत्यु का भय नहीं है, अर्जुन ने भी कहा मेरा मोह नष्ट हो गया, अब मुझे ज्ञान प्राप्त हो गया है। जनक जी ने कहा कृपालु गुरुदेव आपकी कृपा से ही मेरा ज्ञान दूर हो गया। गुरु को पाकर ज्ञान प्राप्त कर लेते हैं और भवसागर से पार हो जाते हैं।

जैसे फटे वस्त्र को सुई धागा जोड़कर एक कर देता है , ऐसे ही गुरुदेव भगवान जीव और ब्रह्म दोनों को अपने आत्मबोध के द्वारा जीवन का बोध करा देते हैं, तब जीव कहता है। जीव ब्रह्म से परे नहीं है, वह ब्रह्म स्वरूप ही है।

गुरु पूर्णिमा महापर्व के अवसर पर समस्त देशवासियों, शिष्यों एवं भक्तों को मेरा हार्दिक शुभ आशीर्वाद सभी सर्वतोमुखी प्रगति को प्राप्त करें, इसी कामना के साथ समस्त देशवासियों, सनातन संस्कृति से जुड़े भक्तों एवं शिष्यों को बहुत-बहुत शुभ आशीर्वाद। आप सभी के परिवार की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना करता हूं।

स्वामी आनंद चैतन्य सरस्वती
हरिद्वार संवत् 2081, आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा, 21 जुलाई 2024 , रविवार

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम - 210 : अयोध्या के मंत्री सुमंत, मूर्छित राजा दशरथ को देखकर विचलित हो गए

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

सुमंत जी अपने रथ पर सवार होकर तुरंत राजप्रासाद पहुंचे। तब तक महर्षि वशिष्ठ राजप्रासाद के आगंतुक कक्ष में पहुंच चुके थे।

मंत्री सुमंत ने गुरु वशिष्ठ को प्रणाम किया। गुरु वशिष्ठ ने सुमंत जी से कहा, ''सुमंत जी! अब तक महाराज दशरथ यहां नहीं पहुंचे हैं।सूर्योदय होने में थोड़ा समय ही शेष है। राजसेवकों से यही सूचना मिल रही है कि महाराज कल रात्रि से ही रानी कैकेई के साथ विशेष भवन में हैं।''

''अरे! यह तो आश्चर्य का विषय है गुरुदेव और आसन्न अभिषेक कार्यक्रम को देखते हुए यह एक असामान्य घटना है।''

''शीघ्रता करिए सुमंत जी और जाकर महाराज से भेंट करिए, ताकि अभिषेक कार्यक्रम समय पर प्रारंभ हो सके।''

सुमंत जी रानी कैकेई के कोप भवन के द्वार पर शीघ्रता से पहुंचे। प्रहरी मुख्य भवन से बहुत पहले खड़े मिले। सुमंत जी मुख्य भवन के भीतर एकाएक प्रवेश करने में संकोच कर रहे थे, लेकिन स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने द्वार पर आवाज लगाई।

''महाराज दशरथ की जय हो!''

''रानी कैकेई की जय हो!''

''क्या यह सुमंत भीतर प्रवेश कर सकता है?''

रानी कैकेई की आवाज आई।

''भीतर आइए सुमंत जी!''

इसी के साथ राजा दशरथ की अस्पष्ट ध्वनि सुनाई दी, जिसे वे समझ नहीं सके।

सुमंत जी दौड़कर भीतर पहुंचे। वे राजा दशरथ को शय्या पर अर्ध मूर्छा में देखकर विचलित हो गए।

''क्या हुआ महाराज? आप कुशल तो हैं? आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रतीत नहीं हो रहा है।'' उन्होंने पूछा।

''अच्छा हुआ सुमंत जी, आप आ गए। आपके महाराज अपने एक आदेश के अनुपालन के लिए आपका स्मरण कर रहे हैं।'' रानी कैकेई ने कहा।

(भगवान श्री विष्णु के मनुज अवतार भगवान श्री राम और माता सीता की कथा हजारों वर्षों से भारतीय जनमानस में प्रचलित है। संस्कृत में आदिकवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं में अब तक सैकड़ों रामायण लिखी गई हैं। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने साथ ही उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कथा के तारतम्य, क्रमबद्धता एवं प्रवाह हेतु अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

सामयिक चर्चा

पीएम और सीएम अगर कमर कस लें तो...!

बानी बोले-''कई दिनों की
बरसात के बाद
जैसे निकल आई हो
सुहावनी धूप, वैसे ही गजाधर!
सुनिए आज मन भावनी खबर-
हमारे छत्तीसगढ़ के उपभोक्ताओं को
बिजली दरों में राहत दिलाने के लिए
मुख्यमंत्री विष्णुदेव जी साय ने
एक हजार करोड़ का अनुदान दिया है।
जिसकी सराहना करते हुए,
प्रदेश के अनेक उपभोक्ता संरक्षण
औद्योगिक तथा महिला संगठनों ने
मुख्यमंत्री के प्रति
कृतज्ञता ज्ञापित किया है।
जब कभी भी सरकार
महंगाई कम करती है गजाधर!
हम गृहस्थजन प्रसन्न होकर,
सरकार की तारीफ करते हैं जी भरकर!''
गजाधर मुस्काराए बोले-
''आप एकदम ठीक कहते हो बानी।
ये महंगाई ही तो लाती है
हमारे जीवन में अनेक तरह की परेशानी।
देखो! अब हमारे यहाँ भी है
डबल इंजिन की सरकार
तो अगर भारत सरकार के प्रधानमंत्री
और राज्य सरकार के मुख्यमंत्री,
दोनों महंगाई दूर करने के लिए
कमर कस कर हो जावें तैयार
तो फिर निश्चित ही
महंगाई दुम दबाकर भागेगी यार!

गिरीश बख्शी

(हास्य व्यंग्य कविता)

|| काव्य प्रेमी चोर ||

कलम डायरी साथ लिए, मिश्रा जी मेरे घर आए।
अखबार की कटिंग दिखलाए, जो साथ थे लाए।।
रहस्य की चादर का हुआ, तभी सहसा अनावरण।
हँसने की बारी मेरी थी, हुआ अचंभा सुन कारण।।
मराठी लेखक नारायण सुर्वे के घर चोर घुस आया।
फोटो नाम देखकर अपनी करनी पे रोया पछताया।
चोरी का सामान उसने तो, सारा का सारा लौटाया।
साहित्य का सामर्थ्य देखो, माफीनामा लिख आया।।
तभी सोचूं कि गुरुजी, दिन रात कविता लिखते हो ।
कोई चोर घुस न पाए, इसलिए कागज घिसते हो।।
पगार के लिए तुम रस्ता, एक तारीख का तकते हो।
घर की सेफ्टी के लिए भाई, नजर दूर की रखते हो।।
नेतागिरी ठेकेदारी नही करुँगा, अब मैं भी लिखूँगा।
कविता लिखना सिखाना भाई, आपसे ही सीखूँगा।।
लिख न पाया तो कुछ रचनाओं की चोरी करना है।
शारदे का हंस ठीक रे बाबा, उल्लू अब ना बनना है।।
सच यार लेखक होना, कवि बनना सबसे अच्छा है।
प्रारंभिक स्तर के चोर का, सोच कितना सच्चा है।।
अच्छा काम करने का, कभी नहीं होता कोई शोर।
सत्यवादी तो देखें है पर, न देखा काव्य प्रेमी चोर।।

रोशन साहू ''मोखला'' (राजनांदगांव)

लघुकथा

// गलत रास्ता //

रात भर बैठक चली। खचाखच। सुबह हो गयी। लोगों के हुजूम में से एक व्यक्ति के इशारे पर सरपंच को अब बोलना ही पड़ा- ''तुम किसी की पत्नी हो। तीन-तीन बच्चों की माँ हो। किसी एक घर की नहीं, पूरे गाँव भर की बहू हो। अपना घर अपना होता है।'' तुम्हारी इज्जत हम सबकी इज्जत है। उसके साथ भला तुम्हें क्या मिलेगा ? अपने ठौर लौट जाओ। बेहतर होगा।''

''नहीं। मैं अब इसके साथ नहीं रह सकती। चाहे जो भी हो।'' हेमवती का सबके प्रति नजर अंदाज भरा स्वर था।

''बहू ! गैर तो गैर ही होता। अपना घर-संसार मत उजाड़। इज्जत की लता बार-बार नहीं हरियाती। इसलिए मेरा कहना मान बहू। घर लौट जा। नंदू तुम्हारे लिए अब भी बाँहें फैला रखा है।'' एक बुजुर्ग ने भी अपना अनुभव रखा।

तभी नंदू के एक करीबी दोस्त नरेन्द्र से नहीं रहा गया- ''भाभी! इन बड़े-बुजुर्गों की समझाईश में ही तुम्हारी भलाई है। पता नहीं, तुम किस चीज की तलाश में हो ?'' नरेन्द्र बोलना बस शुरू किया था, हेमवती बीच में ही बोल पड़ी- ''मेरा रास्ता सही नहीं है। मैं जानती हूँ, पर मेरे कदम बहुत आगे बढ़ चुके हैं। लौटना सम्भव नहीं है। आप लोग मेरे पीछे इतना क्यों पड़े हो ? मुझे भी तो कुछ चाहिए।'' हेमवती की बातें सुन सबको काठ मार गया।

टीकेश्वर सिन्हा ''गब्दीवाला ''
व्याख्याता (अंग्रेजी)
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

राशिफल

मेष — आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके संतान के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको खुशी होगी। आज आप माता-पिता के साथ किसी समारोह में जा सकते हैं।

वृषभ — आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज किसी भी प्रकार में इन्वेस्टमेंट करते समय अपने बजट का ध्यान रखें। इस राशि के जो लोग जॉब करते हैं उनकी तरक्की के योग बन रहे हैं। इसके साथ ही आपका ट्रांसफर भी हो सकता हैं। आपको धन कमाने का नया जरिया भी मिल सकता है।

मिथुन — आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने परिवार वालों को किसी बड़े रेस्टोरेंट में पार्टी देंगे। लवमेट के लिए बेहतरीन समय है, रिश्ते में मजबूती आएगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। इस दौरान आप फिजूल खर्च से बचेंगे, कुछ सेविंग्स भी करेंगे, जो आगे चलकर आपके काम आएगा।

कर्क — आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज बिनासोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा। आज पड़ोसी आपके कार्यों को पूरा करने में आपकी सहायता करेंगे।

सिंह — आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी। आज आपका जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा।

कन्या — आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कोई अनजाना डर जो मन में चल रहा था वो आज अपने दोस्त से शेयर करने से दूर हो सकता है। आज आपकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा है। आपके लिए आय के नए द्वार खुलने की संभावना है। छात्रों को शिक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं।

तुला — आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने गुस्से पर नियंत्रण करके मामले को बखूबी संभाल लेंगे। इस राशि के जो लोग ड्राई फ्रूट्स का बिजनेस करते हैं उनको आज ज्यादा लाभ के योग हैं। आज किसी काम में बड़ो की सलाह मिलेगी जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जायेंगे। साझेदार की गतिविधियों पर ध्यान देंगे। आज रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। बिजनेस में आपको फायदा हो सकता है।

धनु — आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है इसके लिए आपको ज्यादा हिम्मत और धैर्य की जरूरत होगी। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। ऑफिस के उच्चधिकारियों का सहयोग मिलने से बिगड़े काम भी बन जायेंगे।

मकर — आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। किसी बुजुर्ग महिला की सेवा का अवसर मिलेगा इसे आप सौभाग्य के रूप में समझे। हर तरह के काम निपटाने के लिए तैयार रहें।

कुंभ — आज आपका दिन शांत रहेगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा।

मीन — आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। समय का पूरा सदुपयोग करें। आज दूसरों को जितना ज्यादा महत्व देंगे, आपको भी उतना ही महत्व मिलेगा। आज आप अपने घर को नए तरीके से सजायेंगे। माइग्रेन की समस्या से आज आपको काफी राहत मिलेगी। पैतृक संपत्ति से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।

कविता

गुरु पूर्णिमा

अवसर है छाया
मन को है भाया
गुरु पूर्णिमा का
मनभावन
दिन है आया
गुरु की महिमा का
गान करे हम
चलो मिलकर गुरु का
सम्मान करे हम
गुरु ने दिया हमें
ज्ञान के सुंदर मोती
अंधकार में जैसी
जलायी हो एक ज्योति
गुरु ने सिखाया
सही गलत की पहचान
बुराई हो जैसे
दो पल की मेहमान

गुरु की सीख जैसे
गागर में सागर
गुरु की प्रीत जैसे
मां का प्यारा आंचल
गुरु के चरणों की
वंदन करे हम
सब मिल अपने गुरु का
अभिवंदन करे हम
अभिवंदन करें हम

रुचि श्रीवास्तव
शिक्षिका
एनबीआईएस

स्टॉफ की कमी से जूझ रहा अस्पताल

डोंगरगाँव (दावा)। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इन दिनों अनेक समस्याओं से जूझ रहा है. जिसमें डॉक्टर से लेकर ड्रेसर, स्वीपर की कमी के साथ ही सबसे बड़ी समस्या अस्पताल में पानी की कमी है, डॉक्टरों की कमी को देखते हुए संविदा में आठ मेडिकल ऑफिसरों की नियुक्ति की गई थी जिन्हें ब्लॉक के डोंगरगांव, तुमड़ीबोड़, ब.चारभांठा, खुज्जी, आसरा, करमतरा, टप्पा में सेवाएँ देने के लिए रखा गया और इन्हीं डॉक्टरों को डोंगरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में व्यवस्था के तहत कार्य लिया जा रहा था किन्तु धीरे-धीरे लगभग सभी डॉक्टर परीक्षा सहित विभिन्न कारणों से अस्पताल से जा चुके हैं और जो 3 डॉक्टर बचे हैं वे इस माह जाने की तैयारी में हैं।

ज्ञात हो कि अंचल का केन्द्र बिन्दु डोंगरगाँव के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दुर्घटनाओं से लेकर पूरे ब्लॉक सहित अन्य क्षेत्रों के मरीजों को लाया जाता है किन्तु व्यवस्थाएँ सुदृढ़ नहीं होने की वजह से अधिकांश मरीजों को यहाँ से रिफर कर दिया जाता है। ऐसा नहीं है कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को इस मामले की जानकारी नहीं है, जीवनदीप समिति के बैठकों में स्वयं विधायक एवं उनके प्रतिनिधि मौजूद रहते हैं और अस्पताल से संबंधित समस्याओं और स्टॉफ की कमी की जानकारी हर बैठक में दिया जाता है किन्तु प्रशासनिक बैठक की तरह ही यह बैठक भी केवल कागजों तक ही सीमित रहता है और नये अस्पताल के बनने के बाद से व्यवस्था में आज तक सुधार नहीं हो पाया है।

० अस्पताल में समस्याओं का अंबार
० पानी की कमी से लेकर स्वीपर, ड्रेसर सहित डाक्टरों की कमी

अनेक समस्याओं से ग्रस्त है अस्पताल

नगर के इतने बड़े अस्पताल में एकमात्र ड्रेसर से काम चलाया जा रहा है, जिनका हर समय अस्पताल में मौजूद रहना संभव नहीं है, विशेषकर रात्रि के समय दुर्घटनाओं के बाद आने वाले मरीजों को ड्रेसर नहीं होने से संविदा में रखे गए भृत्य व स्वीपर ड्रेसिंग का कार्य करते हैं जो कि मरीजों के लिए जानलेवा हो सकता है। इसी प्रकार इस 30 बिस्तरा अस्पताल में सफाई के लिए कोई भी जिम्मेदार भृत्य नहीं है, जिससे सफाई कार्य लगातार प्रभावित हो रहा है, अस्पताल में सबसे बड़ी समस्या पानी को लेकर है और यह समस्या अस्पताल बनने के पूर्व से ही है, जिसे आज तक सुलझाया नहीं जा सका है, इसके लिए नगर के ब्राम्हण समाज व्दारा अपने निजी बोर से पानी देने के प्रस्ताव के बावजूद प्रशासन पानी की समस्या से निजात नहीं दिला पायी है। पीएचई द्वारा पाईप लाईन बिछाकर पानी पहुंचाने का प्रयास किया गया है किन्तु पतली पाईप लाईन और कमजोर मोटर के चलते यह पानी अस्पताल तक पहुंच ही नहीं पा रहा है। ऐसे में सभी परेशानियों को मरीज झेल रहे हैं और शासन प्रशासन को कोस रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी अस्पताल में भर्ती होने वाले दस्त के मरीजों को हो रही है। अस्पताल में व्यवस्थाएँ पर्याप्त नहीं होने की वजह से मरीजों को पर्याप्त इलाज नहीं मिल पा रहा है और रिफर किया जा रहा है जो कि नये अस्पताल खुलने बाद से अनवरत जारी है।

आज संत निरंकारी सत्संग भवन में इंग्लिश मिडियम समागम

सद्‌गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

राजनांदगांव (दावा)। सद्‌गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से आज 21 जुलाई दिन रविवार को सुबह 10 बजे से 12:30 बजे तक संत निरंकारी सत्संग भवन लालबाग में संयोजक स्तरीय इंग्लिश मिडियम समागम का आयोजन किया गया है। जिसमें छोटे बच्चों से लेकर बड़े-भाई बहनों को अंग्रेजी में सद्‌गुरू के वचनों को एवं गीत- कविताएं तथा भजन आदि को अंग्रेजी भाषा में अनुवाद करते हुए प्रेम, प्यार और सहनशीलता को हर घर में बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इंग्लिश मिडियम समागम में परम पूज्य महात्मा अखिल आडवानी रायपुर के सानिध्य में आयोजित किया गया है, राजनांदगांव के संत निरंकारी मंडल के संयोजक रूपलाल राजवानी के अथक प्रयास से एवं सेवादल संचालक बलीराम साहू एवं निरंकारी सेवादल शिक्षक छबिल राम साहू ने अपील की है कि, पूरे परिवार सहित संत निरंकारी सत्संग भवन लालबाग में आकर इंग्लिश मिडियम समागम का लाभ उठाये। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी मदनलाल नवलानी ने दी।

स्कूल स्थित हैंडपंप की मरम्मत नहीं होने से बच्चों को पेयजल के लिए हो रही है परेशानी

डोंगरगढ़(दावा)। विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम सहसपुर एवं जारवाही के स्कूल में पेयजल की समस्या के कारण बच्चों को अन्य स्थानों से पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। विभागीय अधिकारियों द्वारा समय पर हैंडपंप की मरम्मत नहीं करने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

मामला शासकीय प्राथमिक शाला सहसपुर एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जारवाही का है। जहा स्कूल में पीने के पानी के लिए छात्र-छात्राओं सहित स्कूल स्टाफ को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वही मध्याह्न भोजन बनाने भी पानी सुविधा जनक ढंग से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

पहला कॉलम...

गौ सेवकों ने बचाई गौ माता की जान

हरदी (दावा)। ग्राम पिनकापार में बीती रात हुई भयंकर बारिश में गाय खेत के नाले में फंस गई थी। रात भर बारिश से भीगती रही गौ माता सुबह गौ सेवकों को सूचना मिलने पर पशु चिकित्सक डॉ. भोला राम साहू को बुलाकर त्वरित उपचार किया गया। गौमाता को जीवन दान देने में गौ सेवक त्रिलोकी ठाकुर एवं प्रीत साहू का सहयोग सराहनीय रहा।

'एक पेड़ माँ के नाम' रेवाडीह वार्ड के स्कूलों में किया गया वृक्षारोपण - उज्जवल कसेर

राजनांदगांव (दावा)। शहर के रेवाडीह वार्ड नं.22 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाये जा रहे देशव्यापी अभियान एक पेड़ माँ के नाम के तहत वार्डवासी कार्यकर्ताओं व स्कूल के बच्चों द्वारा वार्ड के पूर्व माध्यमिक व प्राथमिक शाला में वृक्षारोपण किया गया, उक्त अवसर पर राजनांदगाँव के पूर्व सांसद मधुसूदन यादव सहित मुकेश ध्रुव, अनिल कौशिक, राकेश खापर्डे, सूर्यकान्त श्रीवास, जेठूराम सिन्हा, सुरेंद्र मंडावी, भानुप्रताप साहू, महेंद्र नेताम, ठाकुर नारायण, डीलेश साहू, सोनू श्रीवास, रंजीत सिन्हा, नीलकंठ, निहाल, गीता साहू, जाग्रति पटेल, लता नेताम, सरस्वती उइके व वार्ड के जेष्ठ व श्रेष्ठ नागरिकगण, अध्यापकगण अनूप, दरबार, मनीषा व अधिक संख्या में वार्डवाशी कार्यकर्ता साथीगण उपस्थित रहे।

थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण दिया जायेगा

मोहला (दावा)। भारतीय थल सेना द्वारा अग्निवीर भर्ती हेतु माह अप्रैल 2024 में लिखित परीक्षा आयोजित किया गया था। उक्त लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण 4 दिसंबर से 12 दिसंबर तक रायगढ़ में आयोजित किया जायेगा। ऐसे अभ्यर्थी निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण के लिए जिला रोजगार कार्यालय राजनांदगांव से संपर्क कर पंजीयन कर सकते हैं। कार्यालय का दूरभाष नंबर 07744 299523 है। कार्यालय का ईमेल आईडी eerajnandgaon@gmail.com के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

दिव्यांग जनों का प्रमाणीकरण हेतु शिविर का आयोजन 31 जुलाई को

डोंगरगढ़(दावा)। जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के द्वारा भेजे गए पत्र को संज्ञान में लेकर विकास खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ बी पी एक्का ने विकासखंड डोंगरगढ़ के दिव्यांगजनों के आंकलन प्रमाणीकरण एवं विशिष्ट पहचान प्रमाण पत्र कार्ड बनाये जाने हेतु दिनांक 31जुलाई दिन-बुधवार को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक, स्थान पुराना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डोंगरगढ़ में परीक्षण, सत्यापन एवं चिन्हांकन करने हेतु शिविर का आयोजन किया गया है। खण्ड चिकित्सा अधिकारी की ओर से श्रीमति ज्योति काड़े (बीईटीओ), श्रीमति के.पी. शिंदे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-डोंगरगढ़ को निर्देशित किया गया है कि उक्त निर्धारित तिथी में शिविर स्थल में आवश्यक व्यवस्था जैसे- बैठक व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था एवं इत्यादि की व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करे।

आज गिरगाँव में श्री गुरुपूर्णिमा महामहोत्सव

डोंगरगाँव (दावा)। क्षेत्र के ग्राम गिरगाँव में गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर 21 जुलाई रविवार को श्री गुरूपूर्णिमा आयोजन समिति शिष्य परिवार एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में श्री गुरूपूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बाल व्यास तिलेन्द्र महाराज माँ बम्लेश्वरी धाम राका (डोंगरगढ़) के द्वारा 2 से 3 बजे गुरू दीक्षा, 3 से 4 बजे गुरू पादुका पूजन, 4 से 6 बजे गुरू प्रवचन एवं 6 बजे से गुरू आरती एवं प्रसादी वितरण कार्यक्रम होगा।

चिरचारीकला में वोटिंग पद्धति से शाला नायक का हुआ चुनाव

डोंगरगाँव(दावा)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिरचारीकला में बाल केबिनेट का गठन वोटिंग पद्धति से चुनाव व्दारा किया गया, इस विषय को लेकर प्रधानपाठक हेमंत सलामे ने बताया कि स्कूल में अनुशासन एवं बच्चों में कार्य क्षमता, बौद्धिक विकास के लिए शाला नायक व मंत्रिमंडल का गठन किया गया है।

इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण जागरूकता बनाए रखने, नशे के विरुद्ध अभियान, पोषण, पढ़ाई लिखाई, स्वास्थ्य पर जरूर ध्यान देने की बात कही। इस चुनाव में कु.वैशाली शाला नायक कक्षा 8वीं व कुश कुमार कक्षा 8वीं उप शाला नायक बने। इसमें प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली अपनाकर सभी पदों के लिए बच्चों ने मताधिकार का प्रयोग किया। बच्चों द्वारा एक दिन पूर्व प्रचार-प्रसार अभियान चलाया गया।

अधिक मत प्राप्त करने वाले विजेता उम्मीदवारों में शालानायक के पद में कु.वैशाली, उपशाला नायक पद के लिए कुशकुमार, शिक्षामंत्री कु.चुकेश्वरी, उप शिक्षामंत्री मूलकरण, क्रीड़ा मंत्री अजय कुमार, स्वास्थ्य मंत्री कु.डिलेश्वरी, उपस्वास्थ्य मंत्री मनोहर, सांस्कृतिक मंत्री कु.कंचन, उपसांस्कृतिक मंत्री कु.नीतू, पर्यावरण व कृषि मंत्री झमिता, टिनेश्वरी बनाए गए। इसी प्रकार कक्षा नायक 6वीं से कु.शशि, उप कक्षानायक जिगर कुमार, 7वीं से मूलकरण, उपकक्षा नायक कु.खीमा, 8वीं से थानेश्वर, उपकक्षा नायक कु.खिलेश्वरी बनी।

इस अवसर पर प्रधानपाठक श्री सलामे ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि किशोर अवस्था में बच्चों में अनेक नैसर्गिक गुणों का विकास होता है। सभी विजयी बच्चों को उनके पद के प्रति दायित्व कर्तव्य कार्य के बारे में बताया, इसी बीच शाला के वरिष्ठ शिक्षक सुरेश शुक्ला ने मताधिकार का सही उपयोग सही उपयोग करने एवं बिना किसी लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान शिक्षिका सविता सलामे ने कहा कि अनुशासन बिल्कुल बनाए रखें, शिक्षक देवेंद्र कुमार साहू ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के बच्चे आने वाले कल के नागरिक हैं, आप ही के बीच से प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति होंगे, आप सभी लोग हमारे देश के भविष्य हैं, स्वच्छता, सेवा सहयोग, समस्या का समाधान करने का भाव होना चाहिए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने 7 सूत्रीय मांग को लेकर किया प्रदर्शन

डोंगरगढ़(दावा)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने परियोजना कार्यालय के सामने अपनी प्रमुख 7 सूत्रीय मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया। इनकी मांगे में सबसे प्रमुख आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को यूनिफॉर्म के रूप में जो साड़ी दिया गया है वह पारदर्शी है। जिसे लेकर महिलाओं ने घोर आपत्ति व्यक्त की है।

पारदर्शी यूनिफॉर्म को लेकर की गई आपत्ति

अपनी 7 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने प्रशासन के समक्ष जो मांग रखी है उसमें प्रमुख है, बीएलओ एवं अविवाहित अधिकारी का काम आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को न दिया जाए। महतारी वंदन के काम के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि, फ्लेक्सी फंड की राशि कार्यकर्ता के खाते में दिया जावें। आंगनबाड़ी संचालन का समय साढ़े 9 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक पूर्ववत करें। यूनिफॉर्म की जगह राशि, मातृवन्दना की राशि कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के खाते में देवें। वही आंगनवाड़ी केंद्रों में मात्र एक ही सिलेंडर दिया गया है। भोजन बनाते समय कभी भी सिलेंडर खत्म हो जाता है। जिसके कारण बीच मे भोजन अधपका हो जाता है और फेंकना पड़ता है। दो सिलेंडर की मांग की गई है। मांग पूरी नहीं होने पर उग्र प्रदर्शन की तैयारी में दिख रही थी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका।

डेंगू-मलेरिया से बचाव के संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई आवश्यक सलाह

राजनांदगांव (दावा)। बारिश के दिनों में कई प्रकार के मच्छर जनित बीमारियों का जोखिम काफी बढ़ जाता है। भारी बारिश, जलजमाव और बाढ़ जैसी स्थितियां मच्छरों के प्रजनन के लिए सबसे अनुकूल होती हैं, जिसके कारण बारिश के महीनों में डेंगू-मलेरिया के मरीजों की संख्या ज्यादा देखने को मिलती है। इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू-मलेरिया बीमारी से बचाव के संबंध में नागरिकों के लिए आवश्यक सलाह जारी की गई है।

डेंगू का मच्छर आम मच्छरों से अलग होता है और यह दिन की रोशनी में काटता हैं। ऐसे में घर और आसपास मच्छरों को पनपने नहीं दें। कूलर में पानी जमा होने से उसमें डेंगू का लार्वा पनपने का खतरा रहता है। कूलर का उपयोग नहीं होने पर उसका पानी खाली कर दें एवं जो कूलर चालू है, उसे प्रति सप्ताह खाली कर साफ कर भरे, घर की छत पर रखे गमलों या अन्य चीजों में पानी जमा हो तो उसे तुरंत खाली करना चाहिए, क्योंकि इसमें डेंगू लार्वा पैदा हो सकते हैं। घरों के आसपास या गड्ढों में पानी जमा नहीं होने दें एवं जमा पानी के गड्ढे में जला हुआ तेल डाल दें, जिससे आक्सीजन नहीं मिलने के कारण मच्छर का लार्वा नष्ट हो जाता है, मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। घर के दरवाजों में जाली लगवाएं, पैरों में मोजे पहनें एवं दिन में भी सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

डेंगू मच्छर जनित एक वायरल बीमारी है, जिसमें सिर में दर्द, तेज बुखार, मांसपेशियों एवं जोड़ों में दर्द जैसी परेशानियां होती हैं और त्वचा पर चकत्ते भी निकल आते हैं। डेंगू फीमेल एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियां मच्छरों के काटने से होती हैं, लेकिन मामूली सावधानी अपनाने से मच्छर के काटने से बचा सकता है। भारत में विशेषकर यह बारिश के दिनों में होने वाला सामान्य रोग है। डेंगू का लार्वा सामान्यतः जमे हुए साफ पानी में पनपता है और इसे पनपने के लिए जुलाई से लेकर अक्टूबर का समय काफी अनुकूल होता है। यही वजह है कि इस समयावधि में सतर्क रहना जरूरी होता है। एडीज एजिप्टीएक ऐसा मच्छर है, जो डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, जीका बुखार, मायरो बुखार के वायरस और अन्य रोग एजेंटों को फैला सकता है। विशेषकर बारिश के मौसम की शुरूआत के साथ ही मच्छरों के प्रजनन और परिणामस्वरूप महामारी में वृद्धि होती है। एडीज एजिप्टी मच्छर सबसे ज्यादा सुबह और शाम को और छायादार क्षेत्रों में पाए जाते हैं। यह पूरे साल या अनुकूल स्थिति में किसी भी समय संक्रमण फैला सकते हैं। इससे बचाव हेतु सभी को आवश्यक उपाय अपनाना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू एवं अन्य मच्छर जनित बीमारियों के विषय में जानकारी देने के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें डेंगू से बचाव से संबंधित नारा लेखन, मितानिन यात्रा एवं कार्यशाला आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को डेंगू होने के कारण, इसके लक्षण तथा इससे बचाव से संबंधित आवश्यक उपायों की जानकारी दी जा रही है। डेंगू पर नियंत्रण एवं नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य लेकर लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सोर्स रिडक्शन गतिविधियां भी की जा रही हैं, जिसमें मितानिन की विशेष भूमिका है। डेंगू से बचाव के लिए जिले के सभी शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क उपचार एवं दवाईयों की प्रर्याप्त व्यवस्था की गई हैं।

शास.उच्च.माध्य.शाला खुज्जी में छात्राओं को मिला सायकिल

खुज्जी (दावा)। शास.उच्च.माध्य.शाला खुज्जी में कक्षा 9 वीं के नवप्रवेशी 20 पात्र छात्राओं को सायकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष सुयश नाहटा और सरपंच श्रीमती सोनाली पंसारी विशेष रूप से उपस्थित थे। श्री नाहटा जी और सरपंच ने छात्राओं को सायकिल मिलने पर बधाई दिया। श्री नाहटाजी ने निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के साथ साथ सरकार की अनेक महती योजनाओं जैसे निःशुल्क पाठयपुस्तक, गणवेश, छात्रवृति, इंस्पायर अवार्ड के बारे में जानकारी दिया और छात्राओं से आग्रह किया कि सरकार की निःशुल्क सहयोगी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाते हुए मन लगाकर पढ़ाई करें और आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि समाज में अभी नारी सशक्तिकरण को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है और ये केवल शिक्षा से ही संभव है। समाज में नारी अभी भी अपनी मूल अधिकारों से वंचित हैं। प्रधान प्राचार्य गुमान साहू ने भी सभी छात्राओं को सायकिल मिलने पर बधाई दिया। इस अवसर पर शाला के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

ग्राम रेंगाकठेरा में मनाया गया स्वच्छता त्यौहार

राजनांदगांव (दावा)। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत साप्ताहिक स्वच्छता अभियान के तहत प्रत्येक शनिवार को पूरे जिले में स्वच्छता त्यौहार मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्वच्छता दीदीयों के साथ स्कूली बच्चे, महिलाएं एवं ग्रामीण मिलकर गांव के विभिन्न स्थलों की साफ-सफाई कर रहे हैं और स्वच्छता का संदेश देने के लिए रैली भी निकाल रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह आज जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के ग्राम रेंगाकठेरा में स्वच्छता अभियान के तहत मनाए जा रहे स्वच्छता त्यौहार में शामिल हुए। सीईओ जिला पंचायत ने स्वच्छता दीदीयों, स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर साप्ताहिक बाजार स्थल, स्कूल परिसर सहित गांव के चौक-चौराहों की साफ-सफाई की। उन्होंने स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों के साथ स्वच्छता रैली में शामिल होकर स्वच्छता जागरूकता का संदेश दिया। सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने ग्रामीणों से घर से निकलने वाले सूखा कचरा को संग्रहणकर्ता स्वच्छाग्राही समूह को देने के साथ ही प्रतिमाह संग्रहण शुल्क 30 रूपए देने की अपील की। साथ ही ग्रामीणों को गांव को साफ-सुथरा रखने, स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने एवं लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने कहा। सीईओ जिला पंचायत द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई। स्वछता कार्यक्रम में जनपद सदस्य, सरपंच, पंच, गणमान्य नागरिकों, स्वसहायता समूह की महिलाएं, ग्रामवासी, स्कूल के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके साथ ही जिला पंचायत राजनांदगांव से सहायक परियोजना अधिकारी, जिला समन्वय एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ब्लॉक समन्वयक, संकुल समन्वयक, बीपीएम तथा अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सीईओ जिला पंचायत ने ग्रामीणों के साथ की साफ-सफाई

सरकार बदलते ही अवैध कारोबार के जकड़ में पूरा खुज्जी विधानसभा, शराब जुआ-सट्टा का बोलबाला: भोलाराम साहू

खुज्जी (दावा)। विधानसभा क्षेत्र में अवैध दारू एवं सट्टा जुआ का बोलबाला है। पुलिस की कार्यवाही न होने से ऐसे लोगो के हौसले बुलंद हो गए है। खुज्जी विधायक भोला राम साहू ने प्रेस जारी कर कहा कि खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के लगभग सभी क्षेत्र में धड़ल्ले से अवैध शराब बिक्री एवं जुआ-सट्टा का कारोबार फलफुल रहा है। उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन की मिली भगत से जुआ सट्टा शराब तीव्र गति से चल रही है इस पर प्रशासनिक अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं इस पर लगाम लगाई जाए अन्यथा हम लोग निश्चित रूप से उग्र आंदोलन करेंगे। विधायक भोलाराम साहू ने आगे कहा कि कलेक्टर, एसडीएम समीक्षा बैठक को लेकर तैयार नहीं है आगामी होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र में इन बातों को रखी जाएगी।उन्होंने आगे कहा कि बांधा बाजार, चिल्हाटी, अंबागढ़ चौकी, छुरिया, चिचोला, डोंगरगांव थाना अंतर्गत क्षेत्र में कोचियों द्वारा घूम-घूम कर शराब की बिक्री की जा रही है, इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन पर पुलिस या प्रशासन का कोई डर नहीं है।

ज्ञात हो कि विगत कुछ महीनों में जबसे प्रदेश में भाजपा सत्तासीन हुई है उनके ही नुमाइंदे गांव के चौक-चौराहों, ठेले-गुमटी में अवैध शराब बिक्री एवं जुआ-सट्टा का कारोबार चला रहे है ऐसे में पुलिस द्वारा कच्ची 5-10 पौवे शराब या छोटे जुआरियों को पकड़ कर कार्यवाही कर बड़े अवैध कारोबारियों के करतूत पर लीपा-पोती कर रही है। इसकी जानकारी पुलिस विभाग के साथ ही साथ आबकारी विभाग के अधिकारियों को भी है इसके बावजूद कार्यवाही न करते हुए हाथ पे हाथ धरे बैठे हुए है। शासकीय मदिरा दुकान से भी इन कोचियों को भारी मात्रा में शराब का वितरण किया जा रहा है जिससे अवैध शराब का कारोबार फल फूल रहा है। लगातार अवैध कारोबार एवं गांवों में इसके दुष्परिणाम की शिकायत पुलिस प्रशासन एवं उच्च अधिकारियों तक की जाती है परंतु पुलिस के दिखावटी कार्यवाही के बाद फिर से वही माहौल बन जाता है, क्षेत्रवासियों की माने तो कुछ स्थानों पे इन अवैध कारोबार के कारण आना जाना भी दुश्वार हो गया है। इस अवैध कारोबार को मिल रहे बढ़ावे के कारण बच्चों, युवाओ पर गलत असर पड़ रहा है और उनकी रुचि भी ऐसी अवैध कारोबार की ओर बढ़ रही है। पिछली कांग्रेस सरकार में अवैध शराब सहित सट्टा में पूरी तरह से लगाम लगा हुआ था परंतु जैसे ही सरकार बदली है क्षेत्र की आबो हवा में जहर घुलना चालू हो गया है अब गांवों में बड़े तस्कर तथा खाईवाल सक्रिय हो गए है जो घूम घूम कर शराब सप्लाई करते है तथा कोचिया उन्हें बेचता है।

पहला कॉलम...

चीन में बाढ़ से हाहाकार, पुल ढहने से 11 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन में भारी बारिश के बाद बाढ़ आने से जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शुक्रवार को उत्तर-पश्चिमी शांक्सी प्रांत में एक राजमार्ग पुल ढह गया। चीनी सरकारी मीडिया ने शनिवार को बताया कि इस दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई है और 30 लोग लापता हैं। हालांकि, सभी प्रकार के बचाव प्रयास किए जा रहे है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनिफिंग ने शांक्सी प्रांत में हुई आपदा के बाद व्यापक बचाव प्रयास करने का आग्रह किया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, शांग्लुओ शहर में बचाव अभियान अभी भी जारी है, जिसमें 20 कारें और 30 लोग अभी भी लापता हैं। पुल से गिरे पांच वाहनों को बरामद कर लिया गया है। बाढ़ के कारण पुल का एक हिस्सा टूटकर लगभग नीचे बहते पानी में गिर गया है।

मेटा पर लगा 22 करोड़ डॉलर का जुर्माना

अबुजा । नाइजीरिया के संघीय प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता संरक्षण आयोग (एफसीसीपीसी) ने कहा कि उसने फेसबुक और व्हाट्सएप प्लेटफॉर्म पर डेटा साझा करने की जांच के बाद स्थानीय उपभोक्ता और डेटा संरक्षण कानूनों का उल्लंघन करने के लिए मेटा पर 22 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया है। आयोग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, अंतिम आदेश में केवल दो सौ बीस मिलियन अमेरिकी डॉलर का मौद्रिक जुर्माना लगाया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मेटा ने अपने प्लेटफॉर्म पर नाइजीरियाई उपयोगकर्ताओं के डेटा का उनकी सहमति के बिना दुरुपयोग किया, अपनी प्रमुख बाजार स्थिति का दुरुपयोग किया और समान नियमों वाले अन्य न्यायालयों की तुलना में नाइजीरियाई लोगों के साथ भेदभावपूर्ण और असमान व्यवहार किया।

बांग्लादेश से अब तक 778 भारतीय छात्र लौटे स्वदेश

ढाकाः बांग्लादेश में राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू और भयंकर हिंसा के बीच 778 भारतीय छात्र स्वदेश लौट आए हैं। अभी कई हजार छात्र भारतीय विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं। बता दें कि बांग्लादेश हिंसा में 105 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। एसके बाद प्रधानमंत्री हसीना ने राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू लागू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय और ढाका स्थित दूतावास स्वदेशी छात्रों की वापसी और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हैं और उनकी मदद कर रहे हैं। अब तक, 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि बंदरगाहों के माध्यम से भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के माध्यम से नियमित उड़ान सेवाओं द्वारा घर लौट आए हैं। ढाका में भारतीय उच्चायोग और हमारे सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में बचे 4000 से अधिक छात्रों के साथ नियमित संपर्क में हैं। उनकी वापसी के लिए भी इंतजाम किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सभी तरह की आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

हूतियों ने सिंगापुर के ध्वज वाला जहाज को किया क्षतिग्रस्त

सिंगापुर। यमन के हूतियों ने अदन की खाड़ी और लाल सागर में लगातार हमले करना जारी रखा है। इस बार हूती विद्रोहियों ने कथित रूप से सिंगापुर के ध्वज वाले एक जहाज को निशाना बनाया है, जिसमें वह क्षतिग्रस्त हो गया। सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। एमपीए ने बताया कि उसे सूचना मिली कि अदन की खाड़ी से गुजरने के दौरान कंटेनर जहाज च्लोबिवियाज् पर हमला हुआ जिससे इसमें आग लग गई। इसने कहा कि हालांकि चालक दल ने आग को बुझा दिया। चैनल न्यूज एशिया ने अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि चालक दल में सिंगापुर का कोई नागरिक शामिल नहीं था और जहाज पर सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हूती विद्रोहियों के हमले के बावजूद जहाज सोमालिया के बरबेरा बंदरगाह पहुंचने में सफल रहा जहाँ जरूरत पड़ने पर क्षति का आकलन और मरम्मत का काम किया जाएगा।

आजम, रिजवान को पीसीबी ने एनओसी देने से किया इंकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कुछ दिन पहले तेज गेंदबाज नसीम शाह को द हंड्रेड लीग में हिस्सा लेने के लिए एनओसी देने से मना कर दिया था। वहीं अब उन्होंने आगामी ग्लोबल टी20 लीग में भी कुछ इसी तरह का फैसला कप्तान बाबर आजम, शाहीन अफरीदी सहित अन्य खिलाड़ियों को लेकर किया है। पीसीबी ने इन सभी प्लेयर्स के अनुरोध को ठुकराते हुए एनओसी देने से साफतौर पर मना कर दिया। पीसीबी की तरफ से मीडिया को जारी किए गए एक बयान में बताया गया कि तीन खिलाड़ियों के साथ और नेशनल चयन समिति से चर्चा करने के बाद उन्होंने एनओसी नहीं देने का फैसला किया है।

नीरज चोपड़ा के पास जैवलिन के 'डॉन ब्रैडमैन' के करीब पहुंचने का मौका

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा एक बार फिर भारत के लिए पदक के सबसे प्रबल दावेदार हैं। टोक्यो ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप 2023 में भी गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा वह डायमंड लीग 2022 में भी गोल्ड जीत चुके हैं। उन्होंने 2022 के एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। क्या नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में अपने खिताब को डिफेंड कर पाएंगे, यह देखना दिलचस्प होगा. ओलंपिक के इतिहास में चेक गणराज्य के महान भाला फेंक खिलाड़ी जान जेलेजनी ने लगातार तीन बार गोल्ड जीतकर सबसे ज्यादा बार अपने खिताब का डिफेंड किया है। वह ओलंपिक के साथ-साथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भी अपने खिताब को डिफेंड कर रिकॉर्ड बना चुके हैं। जान जेलेजनी को भाला फेंक

प्रतियोगिता का डॉन ब्रैडमैन कहा जा सकता है, जिनके रिकॉर्ड को तोड़ना बहुत मुश्किल है.

हालांकि, नीरज अगर अपने खिताब की रक्षा करने में कामयाब रहते हैं, तो वह जान जेलेजनी के रिकॉर्ड के थोड़ा करीब जरूर आ सकते हैं. नीरज से पहले नॉर्वे के एंड्रियास थॉर्किल्डसेन ने 2004 और 2008 में अपने खिताब को डिफेंड किया था। इससे पहले ऐसा प्रदर्शन 1908 और 1912 में एरिक लेमिंग और 1920 व 1924 में फिनलैंड के जॉनी मायरा ने किया था। तब 1924 का ओलंपिक भी पेरिस में ही हुआ था. इस ओलंपिक में नीरज 90 मीटर की थ्रो को भी छूना चाहेंगे. जान जेलेजनी के नाम ही 98.48 मीटर की थ्रो का वर्ल्ड रिकॉर्ड है, जो उन्होंने जर्मनी में एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दौरान बनाया था। विश्व में टॉप-5 भाला फेंक थ्रो की बात करें, तो तीन स्थानों पर जान जेलेजनी का ही नाम है. नंबर एक के अलावा वह नंबर चार और पांच स्थान पर भी हैं. जर्मनी के जोहानस वेटर 97.76 मीटर और 96.29 मीटर थ्रो फेंकने के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर विराजमान हैं. यानी विश्व में टॉप-5 जैवलिन थ्रो (पुरुष) फेंकने के मामले में सिर्फ दो खिलाड़ियों का ही कब्जा है.

नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने वाले केवल दूसरे एथलीट बने थे. इससे पहले अभिनव बिंद्रा ने बीजिंग ओलंपिक में भारत के लिए पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता था. यह मेडल निशानेबाजी में आया था। टोक्यो ओलंपिक में भारत ने एक गोल्ड, दो सिल्वर और चार कांस्य पदक के साथ कुल सात मेडल जीते थे. भारत ने पेरिस ओलंपिक में 117 खिलाड़ियों का दल भेजा है, जिसमें एथलेटिक्स में सर्वाधिक 29 खिलाड़ी हैं.

शादी की अफवाहों पर मोहम्मद शमी ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के साथ अपनी शादी की खबरों पर आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ दी है। शमी ने साफ कहा है कि ये महज एक अफवाह है जिसका कोई सिर-पैर नहीं है। शमी ने अफवाह फैलाने वालों को जमकर खरी खोटी सुनाई है। शमी का पत्नी हसीन जहां से तलाक हो गया था। हसीन जहां ने शमी पर मारपीट, घरेलू हिंसा सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। वहीं सानिया मिर्जा ने भी इसी साल पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक से अपना 13 साल का रिश्ता खत्म कर लिया था। शोएब मलिक ने पाकिस्तानी मॉडल सना जावेद से शादी कर ली थी। इसके बाद से ही दोनों की शादी की अफवाहें सोशल मीडिया पर उड़ रही थीं। शमी ने शुभांकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में इसे लेकर खुलकर बात की और उन लोगों को जमकर सुनाया जो इस तरह की अफवाहें फैलाते हैं।

उन्होंने कहा, अजीब ही है और है क्या उसमें जबरदस्ती किया है पर क्या करें? फोन खोलो तो अपना ही फोटो दिखता है। लेकिन मैं आज एक ही चीज बोलना चाहूंगा। किसी को भी नहीं खींचना चाहिए। मैं मानता हूं मीम्स आपके माजक के लिए हैं लेकिन किसी की लाइफ से रिलेटड होते हैं। आपको सोच समझ कर बनाना चाहिए।

ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए हॉकी खिलाड़ी ने अपनी उंगली का एक हिस्सा कटवाया

नई दिल्ली। खेलों के प्रति खिलाड़ियों का जुनून कभी-कभी फैंस के साथ सभी को हैरानी में डाल देता है जिसमें इस बार ऐसा ही कुछ पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरू होने से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया की पुरुष हॉकी टीम के सदस्य मैथ्यू डॉसन ने अपने एक कदम से किया है। उन्होंने खेलों के महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए अपनी उंगली के एक हिस्से को ही कटवा दिया। दरअसल डॉसन के खेलने पर उस समय संशय की स्थिति बन गई थी जब उनके दाहिने हाथ की अनामिका उंगली टूट गई थी।

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष हॉकी टीम के 30 साल के खिलाड़ी मैथ्यू डॉसन जो तीसरी बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने जा रहे हैं उन्होंने अनामिका उंगली के टूट जाने के बाद कई डॉक्टरों से परामर्श लिए जिसमें सभी ने उन्हें इसे ठीक होने में लगभग 2 हफ्तों का समय बताया था। इससे डॉसन का पेरिस ओलंपिक में खेलने मुश्किल लग रहा था। ऐसे में डॉसन ने उंगली को कटवाने का फैसला लिया। टोक्यो ओलंपिक सिल्वर मेडल टीम के सदस्य डॉसन को अपनी उंगली को प्लास्टर में करने या फिर उसे ठीक होने देने या अलग करने का विकल्प चुनना था, जिसमें डॉसन ने सर्जरी कराने का फैसला लिया।

मैथ्यू डॉसन ने सर्जरी के बाद ऑस्ट्रेलियाई चैनल सेवन को दिए अपने इंटरव्यू में कि मैंने उस समय प्लास्टिक सर्जन के साथ मिलकर न केवल पेरिस में खेलने के लिए, बल्कि उसके बाद के जीवन के लिए भी निर्णय लिया। मेरे लिए सबसे अच्छा विकल्प यह था कि मैं अपनी उंगली के ऊपरी हिस्से को काट दूं। ये मेरे लिए किसी चुनौती से कम नहीं था।

कनाडाई टीम में लगेगा पंजाबी तड़का!

ओलंपिक 2024 में कनाडा का प्रतिनिधित्व करेंगे भारतीय मूल के ये एथलीट

नई दिल्ली। खेलों का महाकुंभ ओलंपिक का 33वां एडिशन पेरिस में आयोजित होने जा रहा है. पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरू होने में छह दिन से भी कम समय बचा है. इसमें हिस्सा लेने वाले एथलीट इसकी तैयारियों में जुटे हुए हैं. इन्हीं में से एक हैं जेसिका गौड्रिऑल्ट. जेसिका गौड्रिऑल्ट कनाडा की वाटर पोलो टीम की गोलकीपर हैं. वह भारतीय मूल की एथलीट हैं. जेसिका गौड्रिऑल्ट को कनाडा की उस वाटर पोलो टीम में जगह मिली है, जो ओलंपिक 2024 में कनाडा का प्रतिनिधित्व करने जा रही है.

कनाडा की वाटर पोलो टीम की गोलकीपर जेसिका गौड्रियाल्ट ना सिर्फ अपने देश, बल्कि अपने मां के गांव पंजाब, भारत का नाम भी रोशन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. 30 वर्षीय जेसिका ओटावा, कनाडा से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन उनकी मां अजित कौर तिवाना पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले के चनारथल कलां गांव की रहने वाली हैं. जेसिका के ओलंपिक चयन पर उनकी मां और नाना अमरीत सिंह सथी गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं.

जेसिका गौड्रियाल्ट की वाटर पोलो की कहानी 2008 में 14 साल की उम्र से शुरू हुई. जब उनके माता-पिता ने खेलों में उनकी रूचि देखकर उन्हें गर्मियों के कैम्प में भेजा था. उनकी मेहनत जल्द ही रंग लाई और उन्होंने 2012 में पहली वर्ल्ड एक्वेटिक्स (स्नढ्ढह्र) वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में कनाडा को पांचवां स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई.

2017 में, उन्होंने फिना वर्ल्ड लीग सुपर फाइनल में कनाडा की रजत पदक जीत में अहम योगदान दिया और उन्हें टूर्नामेंट की बेस्ट गोलकीपर चुना गया. कैपिटल वेव स्वीमिंग एंड वाटर पोलो क्लब के लिए खेलते हुए, उन्होंने टोरंटो (2015), लीमा (2019) और सैंटियागो (2023) के पैन-अमेरिकन गेम्स में भी रजत पदक जीते हैं. जसनीत निज्जर- ब्रिटिश कोलंबिया की 23 वर्षीय धाविका जसनीत निज्जर कनाडा की महिलाओं की 43400 मीटर रिले टीम की सदस्य होंगी. वह ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड इवेंट में भाग लेने वाली पहली भारतीय मूल की कनाडाई महिला हैं.

जडेजा के लिए बंद होने वाला है टीम इंडिया का रास्ता?

नई दिल्ली। रवींद्र जडेजा को टीम इंडिया ने श्रीलंका दौरे के लिए मौका नहीं दिया है. जडेजा भारत की वनडे टीम का हिस्सा नहीं हैं. वहीं उन्होंने टी20 इंटरनेशनल से खुद ही संन्यास का ऐलान कर दिया था. टीम इंडिया की कमान अब गौतम गंभीर के हाथों में है. वे हेड कोच हैं. गंभीर अब वाशिंगटन सुंदर को फ्यूचर की तरह देख रहे हैं. उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए मौका मिला है. भारत-श्रीलंका वनडे सीरीज के लिए टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं. लेकिन जडेजा नहीं हैं और उनकी फिलहाल चर्चा भी नहीं है.

जडेजा ने टीम इंडिया के लिए आखिरी वनडे मैच नवंबर 2023 में खेला था. वे भारतीय टीम के लिए कई मौकों पर शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं. लेकिन रिपोर्ट की मानें तो जडेजा टीम इंडिया के फ्यूचर में फिट नहीं बैठ रहे हैं. भारतीय टीम अभी से चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की तैयारी करेगी. ऐसे में जडेजा का टीम इंडिया से बाहर होना उन पर सवाल उठाता है.

जडेजा टी20 विश्व कप 2024 और वनडे विश्व कप 2023 में भारतीय टीम का हिस्सा थे. लेकिन उनके लिए पिछले 9 मैच कुछ खास नहीं रहे. जडेजा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 रन बनाकर आउट हो गए थे. इस मुकाबले में वे विकेट भी नहीं ले पाए थे. इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ 17 रन बनाए थे. वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 रन बनाए थे. वे इन मैचों में विकेट नहीं ले पाए थे. जडेजा अफगानिस्तान के खिलाफ 7 रन बनाकर आउट हो गए थे.

टीम इंडिया ने सुंदर को वनडे टीम में जगह दी है. वे ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं. सुंदर भारत के लिए 19 वनडे मैच खेल चुके हैं.

क्या आयुष्मान भारत में बुजुर्गों के इलाज में खर्च का दायरा बढ़ाएगी सरकार?

नई दिल्ली। सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने अक्टूबर 2021 एक रिपोर्ट जारी की थी, भारत के लापता मध्य के लिए स्वास्थ्य बीमा। इसमें दावा किया गया था कि देश की तकरीबन 30 प्रतिशत या 42 करोड़ आबादी के पास कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं है। इसका मतलब कि अगर इन लोगों को कोई बीमारी होती है, तो उनके कमाई का बड़ा हिस्सा इलाज में खर्च हो जाता है।

सरकार भी बखूबी जानती है कि देश में हर साल लाखों परिवार इलाज में बेहिसाब खर्च के चलते गरीब हो जाते हैं। यही वजह है कि वह आयुष्मान भारत योजना पर फोकस बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अंतरिम बजट में आयुष्मान भारत के लिए आवंटन बढ़ाया था।

वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 27 जून को संसद की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कहा था कि अब 70 साल से अधिक उम्र वाले सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर किया जाएगा और उन्हें भी मुफ्त इलाज का लाभ मिलेगा। हालांकि, अभी भी आयुष्मान भारत को बेहतर करने की काफी गुंजाइश है और वित्त मंत्री निर्मला बजट में इसका एलान भी कर सकती हैं।

इलाज का खर्च दिन-ब-दिन महंगा होता जा रहा है। ऐसे में आयुष्मान भारत के तहत मिलने वाली 5 लाख रुपये का सालाना बीमा कवरेज काफी कम लगता है। अगर इसमें इजाफा किया जाता है, तो योजना को लाभार्थियों को काफी राहत मिल सकती है। सरकार ने अतीत में संकेत भी दिया है कि वह आयुष्मान भारत के तहत बीमा कवरेज को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। ऐसे में हो सकता है कि बजट में इसका एलान हो जाए।

सरकार आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (क्क-छ्व्रङ्घ) के तहत लाभार्थियों की संख्या दोगुना करना चाहती है। अगर बीमा राशि दोगुनी होती है, तो सरकार को अपना लक्ष्य हासिल करने में काफी आसानी होगी। इससे सरकारी खजाने से प्रति वर्ष 12,076 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च होगा। जानकारों का मानना है कि आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ने से लाखों परिवारों को कर्ज के दलदल में फंसने से बचाया जा सकेगा।

प्रथम पेज का शेष

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा...

सरकार को फिर से आरक्षण देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि 2018 से पहले जैसे आरक्षण मिलता था, उसे फिर से उसी तरह लागू किया जाए। शेख हसीना सरकार ने हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी अपील के बाद हाईकोर्ट के फैसले को फिलहाल निलंबित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में 7 अगस्त को हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुनवाई होगी।

हिंसा में अब तक 115 लोगों की मौत- अस्पतालों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हफ्ते छात्र प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों में अब तक कम से कम 115 लोग मारे गए हैं। 2,500 से ज्यादा घायल हुए हैं। इंडिपेंडेंट टेलीविजन ने सिर्फ शुक्रवार को 17 लोगों की मौत की जानकारी दी। सोमोय टीवी ने 30 लोगों की मौत का दावा किया। 978 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौटे- बांग्लादेश से अब तक 978 भारतीय स्टूडेंट्स लौट आए हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने शुक्रवार को बताया कि भारतीय स्टूडेंट्स को डॉकी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के जरिए बांग्लादेश से निकाला गया है। उनमें से लगभग 80 मेघालय से हैं और बाकी अन्य राज्यों से हैं। नेपाल, भूटान के कुछ छात्रों और पर्यटकों को भी निकाला गया है।

मेघालय सीएम ने बताया कि बांग्लादेश के ईस्टर्न मेडिकल कॉलेज में करीब 36 छात्र फंसे हुए हैं। हम वहां के अधिकारियों के संपर्क में हैं। कॉलेज और उसके आसपास की स्थिति ठीक है। हालांकि, स्टूडेंट्स के माता-पिता वहां के हालात को लेकर चिंता में हैं।

जब तक भारत सरकार पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाती कि रास्ता साफ और सुरक्षित हो गया है, तब तक स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। इसके बाद ही स्टूडेंट्स को भारत लाया जाएगा। बांग्लादेश में कुल भारतीय नागरिकों की संख्या लगभग 15,000 होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 8,500 स्टूडेंट्स शामिल हैं।

हंगामेदार होगा बजट सत्र...

आईएनडीआईए ने कहा- जनता के मुद्दों पर चर्चा भी अहम- मोदी सरकार की तीसरी पारी का यह शुरूआती सत्र उसके आगे की सियासी राह की चुनौतियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। 12 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र के दौरान सरकार का जोर जहां अपने विधायी और वित्तीय कामकाज को पूरा कराने पर होगा। वहीं विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन ने पहले ही साफ कर दिया है कि संसद सत्र का मतलब केवल सरकारी कार्य को पूरा करने की औपचारिकता तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि जनता का प्रभावित करने वाले मुद्दों पर भी सदन में चर्चा कराना उतना ही अहम है। सदन में बहस रोकने क कोशिश बर्दाश्त नहीं करेगा विपक्ष-राहुल- लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने 18वीं लोकसभा के पहले सत्र के दौरान सदन के भीतर भी इस आशय का संदेश दे दिया था कि मणिपुर हिंसा, नीट पेपर लीक धांधली, जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकवादी घटनाओं से लेकर महंगाई जैसे सवालों पर चर्चा कर इनका समाधान निकालना जरूरी है और इन पर सदन में बहस रोकने की कोशिशें विपक्ष अब बर्दास्त नहीं करेगा।

विपक्ष ने बनाई यह रणनीति- लोकसभा चुनाव के बाद मजबूत विपक्ष के तौर पर आईएनडीआईए की एकजुटता इन मुद्दों पर सरकार को सदन में बहस के लिए बाध्य कर सकती है। विपक्षी दलों ने साझी रणनीति के तहत तय किया है कि संसद में सरकारी कामकाज के अलावा विपक्ष के कम से कम एक मुद्दे पर हर हफ्ते सदन में बहस-चर्चा के लिए कार्यसूची में शामिल किया जाए।

यूपीएससी चेयरमैन ने दिया इस्तीफा...

उनका बेटा अभी कॉलेज में पढ़ाई कर रहा है. मनोज जब 5वीं क्लास में थे तभी उनके सिर से पिता का साया छिन गया. उनके पिता एक फुटपाथ पर कपड़े बेचा करते थे. पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी मनोज सोनी पर आ गई.

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज में दिखा.....

अवधि में ऐसी प्रतिष्ठा स्थापित करने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब मदुरै पीठ की स्थापना की गई थी, तब यह अनिवार्य रूप से एक 'जिला बार' था और जिला बार के सामने कई चुनौतियाँ थीं। उन्होंने कहा कि जिला न्यायालय में वकालत करने वाले वकीलों के रूप में आपका ध्यान जिले की समस्याओं से हटकर राज्य की समस्याओं की ओर होना चाहिए।

बांग्लादेश में फँसे भारतीय छात्रों.....

इस बारे में जानकारी मिलते ही पुलिस महानिरीक्षक में बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड के रीजनल कमांडर से संपर्क साधा। और बीएसएफ़ के जवान और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के जवानों की मदद से इन छात्रों को वापस भारत लाया गया।

खेल गांव पहुंची भारत की तीरंदाजी और नौकायन टीम, दल प्रमुख गगन नारंग ने दी जानकारी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और इसमे हिस्सा लेने के लिए भारतीय दल का पेरिस पहुंचना भी शुरू हो गया है।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के दल प्रमुख गगन नारंग ने बताया कि तीरंदाजी और नौकायन टीम खेल गांव पहुंच गई हैं। तीरंदाजी और नौकायन दल ने शुक्रवार को पेरिस खेल गांव में प्रवेश किया और अपनी अंतिम तैयारियों में जुटी भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड से शनिवार को खेल गांव पहुंचेगी। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होंगे। भारत के 117 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में 20 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज नारंग ने कहा, मैं गुरुवार रात को पेरिस पहुंचा और मैंने भारतीय दल के लिए खेल गांव के अंदर इंतजामों का जायजा लिया।

तीरंदाजी और नौकायन शुक्रवार को पहुंचने वाली पहली भारतीय टीम थीं। खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल गांव में सहज हो रहे हैं। गगन नारंग ने बताया कि भारतीय खिलाड़ी काफी रोमांचित हैं और उत्साह से भरे हैं। चार बार के ओलंपियन नारंग ने कहा, काफी उत्साह का माहौल है और खिलाड़ी भी स्पर्धाओं के एरीना में कुछ गेम टाइम चाहते हैं। हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि खिलाड़ियों को अपनी स्पर्धायें शुरु करने से पहले वो सबकुछ मिले जिनकी उन्हें जरूरत है। मेरे लिए यह देखना गर्व का पल है कि भारतीय दल में पदक के दावेदार बढ़ रहे हैं। हमारे दल का प्रत्येक खिलाड़ी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की बराबरी करने ही नहीं बल्कि उन्हें पछाड़कर देश को गौरवान्वित करने में सक्षम है।

इस पेड़ के 5 पत्ते पानी में डालकर नहा लें, इंफेक्शन और कई बीमारियों का नहीं होगा असर

बारिश के दिनों में स्किन से जुड़ी समस्याएं और कई तरह के इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए मानसून में सादा पानी से नहाने के बजाय नीम के पत्ते वाले पानी से नहाना फायदेमंद होता है। नीम के 5 पत्ते पानी में डाल कर नहाने से कई बीमारियां दूर रहेंगी।

मानसून में तेजी से स्किन से जुड़ी समस्याएं बढ़ती है। पसीने से खुजली, जलन, दाने, दाद, खाज जैसी समस्याएं लोगों को परेशान करती हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए नहाते वक्त पानी में नीम के कुछ पत्ते डाल लें। नीम के पत्ते वाले पानी से नहाने से कई फायदे होते हैं। नीम तासीर में ठंडा होता है और इसमें एंटी फंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो स्किन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। सिर्फ स्किन ही नहीं बल्कि आंख और बालों की कई समस्याओं को दूर करते हैं। जानिए नीम के पानी से नहाने के क्या हैं फायदे ?

नीम के पानी से नहाने के फायदे

फोड़े फुंसी दूर- बरसात के दिनों में फोड़े-फुंसी काफी होने लगते हैं। खासतौर से बच्चों को मच्छर काटने के बाद दाने हो जाते हैं। कुछ लोगों को कीड़े काटने के बाद स्किन पर चकते हो जाते हैं। ऐसे में नीम के पत्ते पानी में डालकर बच्चों को नहलाना चाहिए। नीम में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो फोड़े-फुंसी को ठीक करते हैं।

मुहांसे दूर होंगे- कील मुहांसों की समस्या को दूर करने में नीम को असरदार माना जाता है। नीम के पानी से नहाने से दाने और मुहांसों से छुटकारा पाया जा सकता है। इस पानी से चेहरे पर निखार आता है और दाग-धब्बे भी दूर हो जाते हैं। इसलिए नीम के पानी का इस्तेमाल इस मौसम में जरूर करें।

डैंड्रफ कम होगी- नीम में एंटीफंगल गुण होते हैं जो स्कैल्प पर होने वाली समस्याओं को कम करते हैं। जिन लोगों को रूसी की समस्या रहती है उन्हें नीम वाले पानी से बाल धोने से फायदा होगा। नीम के पानी का इस्तेमाल करने से डैंड्रफ को दूर किया जा सकता है। बेजान बालों में शाइन लाने में भी मदद मिलेगी।

पसीने की बदबू दूर- नीम के पानी से नहाने से पसीने से आने वाली दुर्गंध को दूर किया जा सकता है। नीम का पानी पसीने से पैदा होने वाले बैक्टीरिया को किल करता है। इससे पसीने से आने वाली बदबू दूर हो जाती है।

जूं खत्म करे- बारिश के दिनों में कई बार गंदगी और पसीना के कारण जूं पैदा हो जाते हैं। अगर सिर गीला बना रहे तो ये समस्या पैदा हो सकती है। ऐसे में नीम के पानी से नहाने और सिर धोने से जूं की समस्या को कम किया जा सकता है।

उमस से बढ़ जाती है स्किन की कई परेशानी...

बारिश में मौजूद हवा में नमी वातावरण में बैक्टीरिया-और फंगस को एक्टिव करती है जिससे रैशेज, इंफेक्शन, एलर्जी जैसी परेशानियां खूबसूरती बिगाड़ देती हैं। ऐसे में बाबा रामदेव से जानें बरसात के मौसम में कैसे करें स्किन की केयर ?

चांद पर कितना कुछ लिखा गया है-चांद सी महबूबा...चौदहवीं का चांद...चांद सा रोशन चेहरा...हर किसी ने अपनी नजर से इसे पेश किया। किसी को %महबूबा% नजर आई तो किसी को %चंदा मामा% लेकिन जो एक बात कॉमन रही वो है चांद की खूबसूरती। भले आज ही के दिन 55 साल पहले दूर आकाश में दिखने वाले चांद पर इंसान ने पैर रखा था लेकिन सदियों से ये हमारी कविता-कहानियों और लोक गीतों में बसा हुआ है। हां, लेकिन कई बार जैसे चांद बादलों में छुप जाता है वैसे ही हमारी खूबसूरती पर भी बुरी नजर लग जाती है। अब, बरसात के इस मौसम को ही ले लीजिए वैसे तो जहां देखो हरियाली नजर आती है। बारिश में पेड़ पौधों को भी नई जिंदगी मिलती है लेकिन जब बात स्किन और बालों की आती है तो ये मौसम आफत लगता है। क्योंकि इन दिनों हवा में नमी काफी बढ़ जाती है जो ना सिर्फ बीमार करती है। बल्कि atmosphere में बैक्टीरिया-और फंगस को एक्टिव कर देती है और फिर रैशेज,इंफेक्शन,एलर्जी जैसी परेशानियां खूबसूरती बिगाड़ देती हैं।

ऑयली और सेंसेटिव स्किन वालों का तो और बुरा हाल होता है उमस से होने वाली स्वेटिंग स्किन पोर्स ब्लॉक कर देती है और पिंपल्स की परेशानी बढ़ जाती हैं। वैसे रेनी सीजन सिर्फ स्किन ही नहीं बालों के लिए भी काफी मुश्किल भरा होता है। बाल हवा में मौजूद नमी को सोख लेते हैं जिससे स्कैल्प ऑयली हो जाती है नतीजा बाल भी बहुत झड़ते हैं। अब ऐसे में अगर आप चेहरे पर नेचुरल ग्लो चाहते हैं तो बाबा रामदेव से जानें जीवन में योग और आयुर्वेद से आप कैसे कुदरती निखार पा सकते हैं ।

स्किन प्रॉब्लम्स
ऑयली चेहरा
ड्राई स्किन
डार्क सर्कल
झुर्रियां
झाइयां
दाग-धब्बे
पिंपल्स

मानसून में चमकेगा चेहरा - ध्यान रखें
एलोवेरा का जूस पीएं
संतुलित आहार लें
तला भुना ना खाएं
तेज मसालों से परहेज

होममेड पैक - चांद सा चेहरा पाएं
एंटी एजिंग पैक - संतरे के छिलके+शहद
पिंपल पैक - गुलाब पंखुड़ी+दूध+हनी
ओपन पोर्स पैक =
केला/पपीता+नीम+बादाम+चिरौंजी
एंटी इंफेक्शन पैक -
हल्दी+एलोवेरा+नीम+मुल्तानी मिट्टी
झाइयों का पैक - पिसी लाल मसूर दाल+दही

गिरते बालों - क्या है वजह
स्ट्रेस
फंगल इंफेक्शन
एलोपेसिया
एनीमिया
हार्मोनल इम्बैलेंस
प्रोटीन की कमी
विटामिन की कमी

मज़बूत होंगे बाल - आदत छोड़े
बालों को बारिश से बचाएं
हर दिन शैंपू करने से बचें
बालों पर कैमिकल इस्तेमाल ना करें

महिलाओं में हेयरलॉस - क्या है वजह ?
बालों की जड़े कमज़ोर होना
हार्मोन्स में बदलाव
डैंड्रफ
ज़्यादा स्ट्रेस लेना
बार बार कंघी करना

सावधान! बन सकते हैं फैटी लिवर का शिकार, इन चीजों से करें परहेज

अगर आप अपनी लिवर हेल्थ को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो आपको एक्सरसाइज करने के साथ-साथ अपने डाइट प्लान पर भी खास ध्यान देने की जरूरत है। अगर आपने अपने डाइट प्लान से खाने की कुछ चीजों को बाहर नहीं किया तो आपकी लिवर हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। इसलिए लिवर की सेहत को स्ट्रॉन्ग बनाए रखने के लिए सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

फास्ट फूड आइटम्स से बनाएं दूरी

अगर आप अपनी लिवर हेल्थ को डैमेज होने से बचाना चाहते हैं तो फास्ट फूड्स को अपनी डाइट से बाहर कर दीजिए। रेगुलरली फाइड और सॉल्टी जंक फूड आइटम्स का सेवन करने से फैटी लिवर होने का खतरा कई गुना बढ़ सकता है। इसके अलावा जंक फूड आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

रेड और प्रोसेस्ड मीट्स से करें परहेज

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रेड और प्रोसेस्ड मीट्स भी आपकी लिवर हेल्थ के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। अक्सर रेड और प्रोसेस्ड मीट्स कंज्यूम करने से आप फैटी लिवर की समस्या की चपेट में आ सकते हैं। अगर आप अपने लिवर को हेल्दी बनाए रखना चाहते हैं तो रेड और प्रोसेस्ड मीट्स को लिमिट में रहकर ही कंज्यूम करें।

छोड़ दें सोडा और शराब

सोडा और शराब पीने की आदत भी आपको फैटी लिवर का शिकार बना सकती है। सोडा में शुगर और कैलोरी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है जो आपकी लिवर हेल्थ को डैमेज कर सकती है। वहीं शराब पीने की बुरी आदत न केवल आपके लिवर को बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है।

सेहत के लिए वरदान औषधीय गुणों से भरपूर ये बीज

छोटे-छोटे दिखने वाले ये बीज आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अगर आपने इन बीजों को सही मात्रा में कंज्यूम किया तो आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव किया जा सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर अलग-अलग तरह के बीजों को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भांग के बीजों का सेवन करने से आपकी सेहत को कितने सारे फायदे मिल सकते हैं ? सनाल के यानी भांग के बीजों में पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। भांग के बीजों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम कर आप अपनी हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं।

सेहत के लिए बेहद फायदेमंद भांग के बीजों का सेवन कर आप अपनी गट हेल्थ को सुधारकर पेट से जुड़ी तमाम समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। भांग के बीज दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को भी कम कर सकते हैं। अपनी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए भी भांग के बीजों का सेवन किया जा सकता है। अगर आप जोड़ों के दर्द से छुटकारा पाना चाहते हैं तो भांग के बीज खाना शुरू कर दीजिए। इतना ही नहीं भांग के बीज आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी स्किन और आपके बालों के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

डाइट में शामिल करने के तरीके

अगर आप भांग के बीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो आप थोड़े से बीजों को सलाद के ऊपर छिड़क सकते हैं। अगर आप चाहें तो ओट्स या फिर दही के साथ भी भांग के बीजों को मिक्स करके खा सकते हैं। आप सूप या फिर सब्जियों में भांग के बीज का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा स्मूदी में मिक्स करके भी भांग के बीजों का सेवन किया जा सकता है।

भांग के बीजों में पाए जाने वाले तत्व

भांग के बीजों में प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट, ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। इसके अलावा भांग के बीजों में फॉस्फोरस, पोटैशियम, सोडियम, मैग्नीशियम, सल्फर, कैल्शियम, आयरन, जिंक, विटामिन बी-6, बी-12, डी और ई भी पाए जाते हैं जो आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।

भुने हुए चने के साथ इस मीठी चीज़ का कॉम्बिनेशन है लाजवाब

भुना हुआ चना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। फाइबर के गुणों से भरपूर चना कई समस्याओं में कारगर है। लेकिन, अगर आप इसका सेवन गुड़ के साथ करते हैं तो इसके फायदों की लिस्ट और भी लंबी हो जाएगी। आपने कई लोगों को चना और गुड़ का सेवन करते हुए देखा होगा। दरअसल, इन दोनों का संयोजन सेहत से जुड़ी कई परेशानियों में कारगर है। भुने हुए चने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर और विटामिन-बी सहित एंटी इन्फ्लामेट्री गुण होते हैं, जो सूजन को कम करने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। तो, वहीं गुड़ में आयरन, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे देते हैं। चलिए, जानते हैं इन दोनों को एक साथ खाने से क्या फायदे होते हैं।

गुड़-चना का सेवन करने से मिलेंगे ये फायदे-

डायबिटीज में फायदेमंद-डायबिटीज के अमरीज़ों के लिए चने का सेवन तो लभकारी माना जाता है लेकिन अगर कभी मीठा खाने का मन करे तो वो चने के साथ गुड़ का सेवन कर सकते हैं। कम मात्रा में और कभी कभी गुड़ का सेवन करने से कोई नुकसान नहीं होता है।

ऊर्जा देता है- अगर आप लो फील कर रहे हैं या आपको आलस आ रहा है तो गुड़ और चने का सेवन करें। चने में मौजूद कार्बोहाइड्रेट गुण आपको इंस्टेंट ऊर्जा प्रदान करता है।

हड्डियों को बनाएं मजबूत : भुने हुए चने और गुड़ में प्रोटीन काफी मात्रा में पाया जाता है जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इन दोनों में कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

वजन करे कंट्रोल: अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो अपनी डाइट में गुड़ और भुने हुए चने को शामिल करें। इन दोनों में ही हाई फाइबर और प्रोटीन पाया जाता है जो वजन को कम करने में मददगार है।

तनाव करता है दूर: गुड़ और भुने हुए चने को एक साथ खाने से तनाव भी कम होता है। दरअसल, इन दोनों में मैग्नीशियम और पोटेशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकता है।

खांसी और जुकाम में फायदेमंद: गुड़ और भुने हुए चने अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण खांसी और जुकाम के लक्षणों से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। गुड़ में फाइबर की उच्च मात्रा होने के कारण यह पाचन और कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है।

कब करें सेवन

आप गुड़ और चने का सेवन शाम के समय नाश्ते में कर सकते हैं। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो सुबह के समय भी आप इनका सेवन कर सकते हैं।

बेबी मसाज करते समय नहीं करें ऐसी गलतियां

बच्चे की मसाज करना उसकी हेल्थ और आराम के लिए बहुत अच्छा होता है. लेकिन, कई बार हम कुछ गलतियां कर देते हैं जो बच्चे के लिए ठीक नहीं होतीं. मसाज करते समय बच्चे की प्रतिक्रिया पर ध्यान दें की जरूरत होती है. अगर बच्चा रो रहा है या असहज महसूस कर रहा है, तो तुरंत मसाज रोक दें. सही तरीके से मसाज करने से बच्चा खुश और स्वस्थ रहता है, और आपको भी तसल्ली मिलती है. बच्चे का मसाज करते समय जानें कौनसी गलतियां नहीं करनी चाहिए..

गलत तेल का इस्तेमाल

बच्चों की कोमल त्वचा के लिए हमेशा अच्छे और नेचुरल तेल का ही इस्तेमाल करें. कई बार हम बिना सोचे-समझे कोई भी तेल इस्तेमाल कर लेते हैं, जिससे बच्चे की त्वचा पर एलर्जी या रैश हो सकता है. इसलिए, नारियल का तेल, जैतून का तेल या बेबी ऑयल सबसे अच्छे होते हैं. ये तेल त्वचा के लिए सेफ और लाभदायक होते हैं.

मसाज का सही समय

मसाज का समय बहुत जरूरी है. कभी भी बच्चे को खाना खाने के तुरंत बाद मसाज न करें. इससे बच्चे को उल्टी हो सकती है और वह असहज महसूस कर सकता है. मसाज करने का सबसे अच्छा समय है नहाने से पहले या सोने से पहले. इससे बच्चा आराम महसूस करेगा और बेहतर नींद ले सकेगा.

ज्यादा दबाव डालना

मसाज करते समय हमेशा हल्के हाथों से मसाज करें. बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है और ज्यादा दबाव डालने से उन्हें चोट लग सकती है. हल्के और सॉफ्ट टच से मसाज करने पर बच्चा आरामदायक महसूस करेगा और उसकी मांसपेशियों को भी फायदा होगा.

बच्चे की प्रतिक्रिया पर ध्यान न देना

मसाज करते समय बच्चे की प्रतिक्रिया पर ध्यान दें. अगर बच्चा रो रहा है, असहज महसूस कर रहा है या हिल-डुल नहीं रहा है, तो तुरंत मसाज रोक दें. बच्चे का आराम और खुशी सबसे महत्वपूर्ण है. उसकी प्रतिक्रिया से आप समझ सकते हैं कि मसाज सही तरीके से हो रही है या नहीं.

गलत दिशा में मसाज करना

मसाज करते समय हमेशा सही दिशा में मसाज करें. गोल-गोल या दिल की दिशा में मसाज करना सबसे अच्छा होता है. इससे बच्चे को आराम मिलता है और उनका रक्त संचार अच्छा रहता है. गलत दिशा में मसाज करने से बच्चे को असहज महसूस हो सकता है और उसके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है.

इन बातों पर जरूर दें ध्यान

हमेशा मसाज करते समय बच्चे से बात करें, ताकि वे आराम महसूस करें.

मसाज के लिए शांत और आरामदायक स्थान चुनें.

मसाज के दौरान बच्चे को प्यार से छुएं, ताकि वे सेफ महसूस करें.

कौन सी सब्जियां सबसे ज्यादा बादी करती हैं, गैस और एसिडिटी का बनती हैं कारण?

आयुर्वेद में बादी शब्द आपने सुना होगा। बादी का पूरा नाम वाय बादी यानि ऐसी चीजें जिन्हें खाने से शरीर में वायु विकार बढ़ता है। ऐसी कई सब्जियां हैं जो बादी करती हैं और इनसे गैस एसिडिटी की समस्या बढ़ती है।

बादी करने वाली सब्जियां

अक्सर आपने घर के बड़े-बुजुर्गों को रात में बादी वाली चीजें नहीं खाने की सलाह देते हुए देखा होगा।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि बादी क्या होती है ? बादी एक आयुर्वेदिक शब्द है जिसका संबंध शरीर में गंदगी जमा होने से है। बादी वाली चीजें खाने से शरीर में वात विकार बढ़ता है। जिससे गैस और एसिडिटी की समस्या होने लगती है। ऐसी कई सब्जियां और खाने-पीने की चीजें हैं जो शरीर में बादी करती हैं। इन सब्जियों से परहेज रखने की जरूरत है।

बादी के लक्षण शरीर में भारीपन, सुबह थकान और शरीर बंधा हुआ रहता है, शरीर में टूटन होती है, आलस और सुस्ती बनी रहती है। ऐसी स्थिति में गैस, एसिडिटी और पेट दर्द की समस्या होने लगती है। अगर बादी से बचना है तो कुछ सब्जियों और दालों से परहेज करना चाहिए।

बैंगन- जिन लोगों को बादी की समस्या रहती है उन्हें बैंगन खाने से बचना चाहिए। बैंगन खाने से शरीर में वायु विकार बढ़ता है। इसलिए बैंगन खाने से बचना चाहिए। हालांकि ये अलग-अलग लोगों की शारीरिक प्रवृति पर निर्भर करता है।

गोभी- ब्रोकली, फूलगोभी और पत्ता गोभी तीनों चीजें बादी की समस्या को बढ़ाती हैं। इसलिए सर्दियों में इन सब्जियों को कम से कम सेवन करें। गोभी से गैस, बदहजमी और पेट फूलने जैसी समस्याएं हो सकती है।

पनीर- अगर आप किसी सब्जी में ज्यादा मात्रा में पनीर का इस्तेमाल करते हैं तो पनीर भी गैस का कारण बन सकता है। पनीर भी बादी वाली सब्जियों में शामिल है। इसलिए जिन लोगों को बादी की समस्या रहती है उन्हें पनीर का सेवन नहीं करना चाहिए।

टमाटर- ज्यादा मात्रा में टमाटर खाने से भी गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। टमाटर खाने से बादी हो सकती है। इससे गैस, बदहजमी की समस्या और बढ़ सकती है।

आलू- ज्यादातर सब्जियों में आलू पड़ता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में आलू इस्तेमाल करने से गैस और एसिडिटी की समस्या बढ़ सकती है। ज्यादा आलू खाने से बादी की शिकायत हो सकती है। इसलिए सीमित मात्रा में ही आलू खाएं।

बारिश से वीवीआईपी जिले में आधे से ज्यादा शहर जलमग्न, शा. भवनों व निचली बस्तियों में भरा पानी

लोगों की आवाजाही में हो रही परेशानी... जहरीले जीव-जंतुओं का बना हुआ खतरा

राजनांदगांव(दावा)। पिछले कुछ दिनों से इन्द्रदेव मेहरबान है दोपहर बाद रोजाना अच्छी बारिश हो रही है। गरज-चमक के साथ हो रही बारिश से जहां शहर की गड्ड-मड्ड सड़कों में जल जमाव हो जा रहा है वही शहर के शासकीय दफ्तर परिसरों में घुटने तक पानी भर जा रहा है जिससे शासकीय दफ्तरों में आवश्यक काम से आने वाले लोगों को घुटने तक कपड़े उठा कर पानी का तालाब पार करनी पड़ रही है। लोगों की माने तो बारिश के पानी के साथ जीव-जंतु भी तैरते नजर आते है जिससे खतरा बना हुआ है। शनिवार को दोपहर व शाम के समय अच्छी बारिश हुई। गरज-चमक के साथ हुई बारिश से निगम कार्यालय परिसर सहित मेन गेट की ओर जल जमाव हो गया। इसी तरह गौरव पथ रोड दिग्विजय कालेज रोड में उभर आए बड़े-बड़े गड्ढों में जल जमाव होने से लोगों को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ा।

एसपी आफिस परिसर में भरा पानी

बता दे कि एसपी आफिस पहले बल्देव बाग रोड में होने के कारण बारिश के दिनों में यहां भी यही स्थिति थी। यहां सांपों का डेरा बना रहता था। इस क्षेत्र को छोटा-मोटा नागलोक कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। अब जब जीई रोड में नया एसपी आफिस बना हुआ है तब भी बारिश के दिनों में यहां वही स्थिति बनी रहती है। बारिश होने पर एसपी कार्यालय परिसर एक छोटे-मोटे तालाब का रूप धारण कर लेता है जिसे पार कर कार्यालय में जाना लोगों को मजबूरी हो जाती है। बताया जाता है कि एसपी आफिस के सामने मंदिर के पास बनेडिवाइडर के पास ही पानी भरने की समस्या रहती है। अन्दर भाग प्रायः ठीक रहता है।

तहसील कार्यालय में भरा पानी

शहर का जिला कार्यालय सड़क से मात्र एक दो सीढ़ी उंचा होने के कारण वहां बारिश का पानी नहीं भरता लेकिन परिसर समीप बारिश का पानी पसरा रहता है। शहर के शासकीय कार्यालयों में सबसे बूरी दशा तहसील कार्यालय की है। हल्की बारिश होने पर ही घुटनों तक पानी भर जाता है। आलम यह रहता कि ज्यादा बारिश होने से तहसील कार्यालय के आफिसों में पानी भर जाता है। तहसील कार्यालय के बल्देवबाग रोड से अन्दर प्रवेश करना बड़ी दिक्कत का काम लगता है। बगैर कपड़े उठाए तहसील कार्यालयों के दफ्तरों में प्रवेश ही नहीं किया जा सकता। राजा के जमाने से बने तहसील कार्यालय की दीवारे मजबूत है लेकिन साल दर साल सड़क के उंचा होते रहने के कारण पुराने शासकीय कार्यालय नीचे की ओर जा रहा है। यहां ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह फेल बना हुआ है। जिसके कारण तहसील कार्यालय में भरे बारिश के पानी का निकासी नहीं हो पाती। लिहाजा तहसील कार्यालय को बारिश के दिनों में एक तालाब का रूप धारण कर लेना पड़ता है। इसी तरह के हालात नए बस स्टैण्ड व शहर के निचली बस्तियों के है। नाले-नालियों की समुचित सफाई नहीं होने से घरों में पानी प्रवेश कर जाता है।

जिला चिकित्सालय

शहर के बसंतपुर स्थित जिला चिकित्सालय में बारिश का पानी भरने की एक दीर्घ समस्या बनी हुई है। इसकी वजह सामने का कचरे से भरा बजबजाता नाला है। इसका नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी ओवर फ्लो होकर उल्टे अस्पताल की दिशा में बहने लगता है। और अस्पताल के अंदर ओटी तक प्रवेश कर जाता है। कई बार तो बारिश का पानी भरी होने से सांप-बिच्छू और जीव जंतु तैरते नजर आते है। जिससे मरीजो में भय बना रहता है। कई बार दिवारों में करंट भी महसूस किया गया। इसी तरह के हालात यहा के स्कूल मैदानों के भी है। टांकापारा स्कूल में बच्चों का प्रवेश के लिए कूद-फांद करते हुए जाना पड़ता है। यह स्कूल काफी जर्जर हो चुका है। जो बारिश में कभी भी ढह सकता है जिससे बच्चों सहित स्कूल के लोगों को जानमाल का खतरा बना हुआ है।

भारी बारिश से मोतीपुर के घरों में घुसा पानी, बर्तन लगे तैरने

राजनांदगांव (दावा)। शहर में आज दोपहर व शाम के समय गरज चमक के साथ बारिश होने से निचली बस्तियों में पानी भर गया। शहर के मोतीपुर वार्ड नंबर 3 अंबेडकर चौक के आसपास क्षेत्र में बारिश पूर्व नाले की सफाई नहीं होने के चलते अधिकांश घरों में घुसा पानी। पानी इतना भरा हुआ था कि घर के सामान वह बर्तन आदि पानी में तैरने लगे। इसी तरह के हालात शहर की निचली बस्तियों में देखी गई। बसंतपुर क्षेत्र के राजीव नगर में तो तलातल पानी भरा देखा गया वहीं इंदिरा नगर क्षेत्र में नाले का पानी सड़क से होते हुए लोगों के घरों में प्रवेश कर गया। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के दिनों में प्रायः उत्पन्न होने वाली इस ज्वलंत समस्या को लेकर ना ही इन क्षेत्रों के जन प्रतिनिधि गंभीर है और ना निगम प्रशासन ध्यान देना जरूरी समझता है। ऐसे में मोतीपुर सहित शहर के निचली बस्तियों के रहवासियों को बारिश के दिनों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पहली बारिश में पुल और सड़क बहा, ठेकेदार की भर्राशाही आई सामने

मोहला (दावा)। मानपुर अंबागढ़ चौकी शुरुआती बारिश में ही मानपुर से दल्लीराजहरा नेशनल हाइवे में बना नवनिर्मित पुल और सड़क बही ज्ञात हो कि दल्लीराजहरा से गढ़चिरौली महाराष्ट्र सीमा तक करोड़ों रुपये के लागत से निर्माणाधीन नेशनल हाईवे के सड़क और पुल का निर्माण संबंधित ठेकेदार राधेश्याम अग्रवाल के द्वारा कराया जा रहा है लेकिन पहली बारिश ने ही ठेकेदार द्वारा की जा रहीं भर्राशाही की पोल खोल कर रख दी है।

मानपुर मुख्यालय से कई गांव का संपर्क टूटा

मुख्यालय से टूटा संपर्क पुल और सड़क के बह जाने से मानपुर मुख्यालय के खड़गांव तहसील तथा भर्रिटोला सेक्टर के लगभग 70 गांव में निवासरत 50 हजार की संघन आबादी मानपुर मुख्यालय से कट कर टापू में बदल गए है। इस मार्ग से होकर गुजरने वाले ग्रामीण, किसान, छात्र-छात्राएं और आमजन मानपुर मुख्यालय में स्थापित अस्पताल, स्कुल, बैंक, सहकारी बैंक, कालेज, खाद, बीज, रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े सामग्री लेने नेशनल हाईवे और पुल के बह जाने से मानपुर मुख्यालय से कट गए है।

इधर मानपुर होकर हैदराबाद, तेलंगाना, महाराष्ट्र, से दल्ली राजहरा बालोद जिला होते हुए चलने वाले यात्री बस, ट्रक, माल गाड़ियों का संपर्क इस नेशनल हाईवे से नहीं हो पाएगा। मानपुर एसडीएम अमित नाथ योगी ठेकेदार के खिलाफ प्रशासनिक एक्शन लिया जाएगा जिसकी तैयारी की जा रही है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव में शहर के विकास के लिए किया भूमिपूजन

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में शहर के विकास के लिए 13 करोड़ 81 लाख रूपए के लागत के 96 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरूण साव, सांसद संतोष पाण्डेय, महापौर श्रीमती हेमा देशमुख विशेष रूप से उपस्थित थी। राजनांदगांव शहर विकास के लिए किए गए भूमिपूजन से विकास कार्यों में गति मिलेगी। शहर में नाली, स्वच्छता, सड़क, भवन, उद्यान, पेयजल, अधोसंरचना के निर्माण से नगरवासियों को सुविधा मिलेगी।

शहर विकास के लिए 13 करोड़ 81 लाख रूपए से वार्डों में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिसमें अधोसंरचना मद अंतर्गत 754.19 लाख रूपए 42 कार्य अंतर्गत रोड, नाली, भवन, उद्यान एवं अन्य विकास कार्य, 15वें वित्त आयोग योजनांतर्गत 549.56 लाख रूपए से 29 कार्य अंतर्गत सीमेंट कांक्रिटींग रोड, नाली-नाला व फिल्टर प्लांट में विकास कार्य तथा सांसद निधि से 29 लाख रूपए से 9 कार्य अंतर्गत भवन, शेड, पाथवे, मंच निर्माण तथा विधायक निधि, प्रभारी मंत्री निधि अनुशंसा से 49 लाख रूपए से 16 कार्य अंतर्गत भवन, शेड, रोड व नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती गीता साहू, पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, खूबचंद पारख, सचिन बघेल, भरत वर्मा, संतोष अग्रवाल, रमेश पटेल, नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, हरिनारायण धकेता, कोमल सिंह राजपूत, राजेन्द्र गोलछा, नगर पालिक निगम राजनांदगांव के पार्षदगण, कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गुप्ता, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

शहर के बीच स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में तीन महिने से लाईट नहीं

आंगनबाड़ी केन्द्र का छत हो रहा सीपेज, गिर रहे छत के प्लास्टर... बच्चों को हो सकता है खतरा

राजनांदगांव (दावा)। शहर के बीचों बीच मोतीतालाब के पास स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र सुरक्षा के अभाव को झेल रहा है। यहां आने वाले बच्चे बारिश में टपकती छत के बीच रहते है। वही जर्जर हो चुके छत से प्लास्टर उखड़ कर गिरने से उन्हें दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह कि नया बस स्टैण्ड समीप गणेश मंदिर मिथिलाधाम से लगकर बने उक्त आंगनबाड़ी केन्द्र के बगल में बिजली विभाग का आफिस है। इसके बाद भी उक्त आंगनबाड़ी केन्द्र का तीन महिने से बिजली बंद है। भीषण गर्मी के दिनों में आंगनबाड़ी के बच्चे यहां पसीने से तरबतर होते हुए समय गुजारते है।

सुरक्षा के अभाव के बीच यहां पढ़ रहे बच्चे

आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता यशोदा देवांगन व सहायिका कुमुद जामुलकर ने बताया कि आगनबाड़ी में 3 पंखे व 4 ट्यूब लाइट लगे है लेकिन विद्युत विभाग द्वारा लाइन काट दिए जाने से बिना पंखे व लाइट के रहना पड़ रहा है। उन लोगों ने बताया कि विभाग के सुपर वाइजर को इस संबंध में बताया जा चुका है। सुपरवाइजर दिव्या तिवारी द्वारा इस बारे में लिखित में आवेदन महिला बाल विकास विभाग में दिया जा चुका है लेकिन अब तक न तो बिजली का काम हो पाया है और न बारिश दिनों में छत से हो रही सीपेज व छत्त के प्लास्टर उखड़ने से मुक्ति मिली है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्र यहां पर 2007 से संचालित है। पहले यह श्री गणेश मंदिर मिथिलाधाम में लगता था। शासन द्वारा खुद की आंगनबाड़ी केन्द्र बनाया गया। तब से इसका न तो रंग-रोगन हो पाया है और न जीर्णोद्धार का कार्य किया गया है। सबसे ज्यादा दिक्कत बारिश के दिनों में होती है। बारिश का पानी छत से सीपेज ही नहीं होता खिड़की, वेन्टीलेटर आदि से अंदर प्रवेश कर जाता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका ने बताया कि कांग्रेस शासन के समय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को ड्रेस के रूप में साड़ियां मिलती थी। पहली बार की साड़ियां ठीक रही लेकिन बाद में दी गई साड़िया घटिया क्वालिटी की है।

बताया गया कि इसकी शिकायत विभाग से कर शासन से अच्छी साड़ी देने अथवा गणवेश के रूप में उक्त साड़ी की कीमत की राशि दिए जाने की मांग की गई है। ताकि आंगनबाड़ी की महिलाएं अच्छे ढंग की साड़ियां पहन कर जा सके। बहरहाल देखा जाए तो शहर के बीच स्थित इस आंगनबाड़ी केन्द्र में छत के प्लास्टर उखड़कर गिरने से किसी भी क्षण दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। वही बिजली के अभाव में आंगनबाड़ी आने वाले दर्जनों बच्चे व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

> आंगनबाड़ी केन्द्र की समस्या का शीघ्र ही समाधान किया जाएगा।
>
> **- सुश्री गुरूमीत कौर, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग राजनांदगांव**

तहसीलदार व नायब तहसीलदार ने किया वृक्षारोपण

राजनांदगांव (दावा)। तहसील कार्यालय राजनांदगांव में बीते दिनों तहसीलदार मनीष वर्मा व नायाब तहसीलदार रमेश कुमार नागवंशी ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर तहसीलदार वर्मा ने कहा कि वृक्षों की कटाई से जो गर्मी का कोलाहल हुआ है व वर्षा में कमी आ रही है, वह बहुत ही गंभीर स्थिति की ओर हमें ले जा रही है। इसी तरह वृक्षों की कमी होती रही तो वो दिन दूर नहीं की देश मे पानी का संकट गहरा जाएगा और आने वाले समय में लोग पानी के लिए किसी भी हद तक जा सकते है। इसलिए वह अपने भविष्य के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक वृक्ष लगाना व उसे सहेज कर बड़ा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य होना चाहिए, यदि हर व्यक्ति अपनी उम्र में एक पेड़ भी लगाकर उसे सहेज कर बड़ा करता है, तो वह अपने आने वाले पीढ़ी के लिए भी जल व गर्मी के संकट को रोकने में मदद करता है। इस कार्यक्रम में भावेश बुद्धदेव (संचालक ई स्टाम्प केंद्र), छबि श्याम देवांगन अर्जीनिवेश, मनीष वर्मा अर्जीनिवेश, गुलशन मंडले, तिस्मिता मेश्राम, त्रिगुण सादानी आदि जन समुदाय उपस्थित थे।

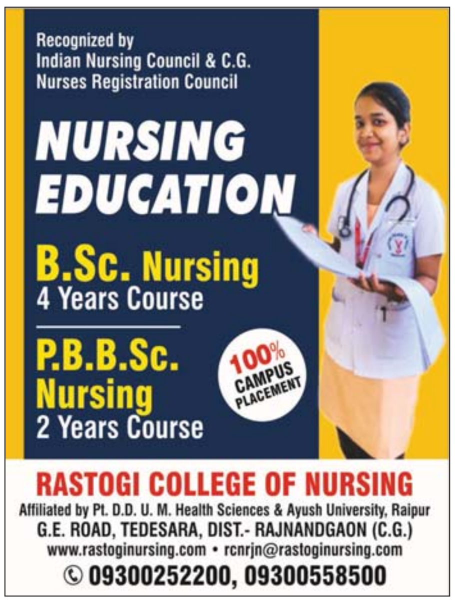

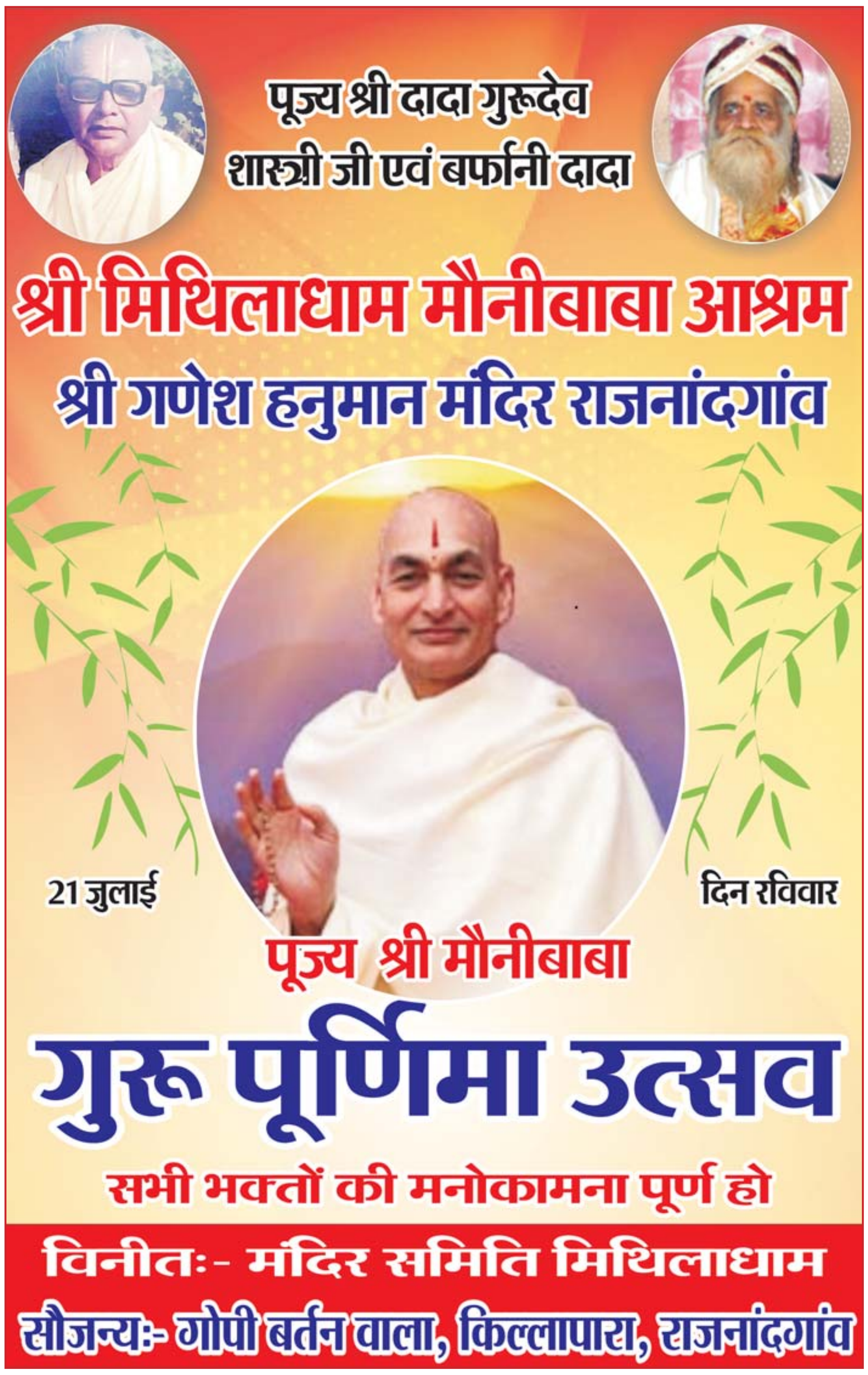

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com